NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 298 लखनऊ, गुरुवार 13 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

यूपी के लाखों कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी! कैबिनेट ने नई स्थानांतरण नीति 2024–25 को मंजूरी दी

संवाददाता।

लखनऊ कैबिनेट बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें से 41 को मंजूरी दे दी गई। वेतन वृद्धि को लेकर आए प्रस्ताव पर कैबिनेच ने लगाई मुहर। एक दिन पूर्व रिटायर होने वाले कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए 2024–25 के लिए नई स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी। यह निर्णय आज यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। दरअसल, कैबिनेट बैठक में कुल 42 प्रस्ताव रखे गए, जिनमें से 41 को मंजूरी दे दी गई। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट बैठक के दौरान स्वीकृत प्रस्तावों की जानकारी देते हुए घोषणा

की कि कैबिनेट ने 2024–25 के लिए स्थानांतरण नीति का समर्थन किया है। यह नीति पिछले वर्ष की नीति के प्रावधानों के अनुरूप है।नई स्थानांतरण नीति 2024–25 नई नीति के मुताबिक मंडल में सात साल और जिले में तीन साल सेवा देने वाले ग्रुप ए और बी के अधिकारियों का तबादला किया जाएगा। नीति में कहा गया है कि समूह ए और बी में 20 प्रतिशत तक अधिकारियों और समूह सी और डी में 10 प्रतिशत तक कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जा सकता है।समूह सी और डी के लिए, नीति सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले अधिकारियों को पहले स्थानांतरित करने को प्राथमिकता देती है। ग्रुप सी और डी के 10 फीसदी से ज्यादा कर्मचारियों का ट्रांसफर करना जरूरी होने पर मंत्रालय की मंजूरी जरूरी होगी। इसी तरह ग्रुप ए और बी के 20 फीसदी से अधिक अधिकारियों के तबादले के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी जरूरी होगी।उन्होंने कहा कि समूह सी और डी के स्थानांतरण पूरी तरह से मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से प्रबंधित किए जाएंगे। यह प्रणाली स्थानांतरण के बाद कार्यभार सौंपने और लेने की ऑनलाइन व्यवस्था की सुविधा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, यह सेवा पुस्तिकाओं और अधिकारियों के वेतन के डिजिटलीकरण की अनुमति देता है।

अखिलेश यादव ने कन्नौज से सांसद बनने के बाद छोड़ी करहल विधानसभा सीट

संवाददाता।

लखनऊ अखिलेश यादव ने हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में कन्नौज सीट पर जीत हासिल की थी। इससे पहले साल 2022 में वह मैनपुरी की करहल सीट से विधायक चुने गये थे। सपा प्रमुख राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता थे। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से चुने जाने के बाद बुधवार को करहल विधानसभा सीट से दिया इस्तीफा दे दिया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राज्य विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने पीटीआईकृ

को बताया कि अखिलेश ने करहल विधानसभा सीट से त्यागपत्र दे दिया है। सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी ने भी अखिलेश के करहल सीट छोड़ने की पुष्टि की है। अखिलेश ने कन्नौज से सांसद बनने के बाद करहल विधानसभा सीट छोड़ने के संकेत पहले ही दे दिये थे। उन्होंने मंगलवार को इटावा में संवाददाताओं से कहा था कि वह इसकी जानकारी विधानसभा कार्यालय को जल्द ही दे देंगे। चौधरी ने बताया कि अखिलेश के साथकृसाथ फैजाबाद से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद ने भी अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट से त्यागपत्र दे दिया है।

प्रसाद ने फैजाबाद सीट पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार लल्लू सिंह को पराजित किया था। अखिलेश यादव ने हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में कन्नौज सीट पर जीत हासिल की थी। इससे पहले साल 2022 में वह मैनपुरी की करहल सीट से विधायक चुने गये थे। सपा प्रमुख राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता थे।

कपड़ा मंत्री बने बिहार से आने वाले बीजेपी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह

एजेंसी।

पटना बिहार गिरिराज सिंह को एनडीए सरकार में कपड़ा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में उनके पास पशुधन और डेयरी मंत्रालय था। 2014 में उन्होंने बिहार की नवादा लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। तो वहीं 2019 में सिंह ने सीपीआई के युवा नेता कन्हैया कुमार को बेगूसराय से शिकस्त दी थी।भारतीय जनता पार्टी के फायर ब्रांड नेता और बेगूसराय से लगातार दूसरी बार संसद भवन में पहुंचे गिरिराज सिंह को एनडीए सरकार में कपड़ा मंत्रालय की

जिम्मेदारी दी गई है। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में उनके पास पशुधन और डेयरी मंत्रालय था। 2014 में उन्होंने बिहार की नवादा लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। तो वहीं 2019 में सिंह ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और सीपीआई के युवा नेता कन्हैया कुमार को बेगूसराय से शिकस्त दी थी। इ गिरिराज सिंह का जन्म 8 सितंबर 1952 को बिहार के लखीसराय जिले के बरही गांव में हुआ था। वे एक साधारण किसान परिवार से आते हैं और उनकी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय विद्यालयों में ही हुई है। सिंह ने मगध विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी राजनीति और समाजशास्त्र में बचपन से ही रुचि होने के कारण उन्होंने राजनीतिक जीवन में अपना कदम रखा। गिरिराज सिंह ने अपने करियर की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के साथ की और पार्टी के संगठन को मजबूत करने और राज्य में भाजपा की विचारधारा को फैलाने के लिए कठिन परिश्रम किया। उनकी निष्ठा और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें पार्टी के विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया।इ वे 2000 में लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से चुनकर बिहार की विधानसभा में पहुंचे। जहां उन्होंने 2014 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व किया। 2008 से 2010 के बीच गिरिराज सिंह नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री भी रहे। तो वहीं 2010 से 2013 तक उन्होंने राज्य सरकार में पशुपालन और डेयरी मंत्रालय भी संभाला था। गिरिराज सिंह अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करते रहे हैं। पीएम पद के लिए मोदी का नाम गिरिराज सिंह ने 2013 में सार्वजनिक तौर पर आगे बढ़ाया था। 2014 में सांसद बनने के उन्हें लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया। इसके बाद 2019 में उनका प्रमोशन हुआ और वह पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री बने। 2021 में गिरिराज सिंह को ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय का जिम्मा भी सौंपा गया था।

राष्ट्रीय राजनीति में अखिलेश यादव की एंट्री राहुल गांधी के लिए बन सकती है चुनौती

एजेंसी।

नई दिल्ली भाजपा के गैर–यादव ओबीसी और गैर–जाटव दलित समर्थन आधार में सेंध लगाने के लिए, अखिलेश ने पीडीए–पिछड़ा (पिछड़े), दलि और अल्पसाख्यक (मुस्लिम) फॉर्मूले पर काम किया। कांग्रेस के साथ गठबंधन करके उन्होंने मुसलमानों और यादवों के पारंपरिक समर्थन आधार पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को झटका देने के बाद, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजनीति में रुख करने का फैसला किया है। यादव ने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है, जिसे उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में जीता था, और कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से सांसद बने रहने का फैसला किया है, जहां वह हाल के संसदीय चुनाव में विजयी हुए थे। यादव ने यूपी विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद भी छोड़ दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी के विजय रथ को रोककर अखिलेश राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर उभरे। उत्तर प्रदेश में झटका, जहां 2019 के लोकसभा चुनाव में सीटों की संख्या 62 से घटकर 2024 के संसदीय चुनाव में 33 हो गई, जिससे भाजपा को लोकसभा में अपने दम पर बहुमत हासिल करने से रोक दिया गया। सपा 37 सीटें जीतकर उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और भाजपा और कांग्रेस के बाद देश में तीसरी

सबसे बड़ी पार्टी बन गई। पार्टी का वोट शेयर भी बढ़कर 33. 38: हो गया, जो 2019 में 18. 11: था। इससे पहले, 2004 में जब सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश में सरकार का नेतृत्व कर रहे थे, तब सपा ने 35 सीटें जीती थीं। भाजपा के गैर–यादव ओबीसी और गैर–जाटव दलित समर्थन आधार में सेंध लगाने के लिए, अखिलेश ने पीडीए–पिछड़ा (पिछड़े), दलित और अल्पसाख्यक (मुस्लिम) फॉर्मूले पर काम किया। कांग्रेस के साथ गठबंधन करके उन्होंने मुसलमानों और यादवों के पारंपरिक समर्थन आधार पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वरिष्ठ सपा नेता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा को मिले जनादेश को राष्ट्रीय संदर्भ में देखा जाना चाहिए। भाजपा को उसके हिंदुत्व के गढ़ में हराने के लिए सपा ने सभी समुदायों का समर्थन हासिल किया। उन्होंने बीजेपी को झटका देने में इंडिया ब्लॉक की सफलता के लिए पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के करिश्माई व्यक्तित्व को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें गठबंधन ने यूपी में 43 सीटें जीतीं। राहुल को मिलेगी चुनौतीअखिलेश यादव अगर राष्ट्रीय राजनीति की ओर अपना रुख कर रहे हैं तो इससे राहुल गांधी के लिए कई चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यूपी में कांग्रेस के लिए बिग ब्रदर की भूमिका में समाजवादी पार्टी है। समाजवादी पार्टी की ही वजह से यूपी में कांग्रेस को सफलता मिली है। ऐसे में उत्तर प्रदेश की राजनीति में राहुल से पहले अखिलेश की पकड़ देखने को मिलेगी। अखिलेश ने इंडिया गठबंधन को लेकर भी कई परिपक्व फैसले भी लिए हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन करना और सीटों की सौदेबाजी इसी कड़ी का एक हिस्सा है जहां अखिलेश यादव ने अपनी चतुराई दिखाई है। यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन में मुख्य भूमिका राहुल से ज्यादा प्रियंका गांधी की रही है। ऐसे में यूपी की सफलता का श्रेय ज्यादातर अखिलेश यादव को ही जा रहा है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के नेता के तौर पर देश के सभी हिस्सों में लोकप्रिय है। जबकि अखिलेश यादव गठबंधन के सहयोगियों के साथ अच्छे रिश्ते रखते हैं। ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे जैसे नेताओं से अखिलेश यादव के बेहद आत्मीय संबंध है। ऐसा राहुल गांधी के केस में देखने को नहीं मिलता है। इससे कहीं ना कहीं राहुल गांधी की बारगेनिंग पावर गठबंधन के सहयोगियों के साथ कम हो जाती है। ममता और स्टालिन अखिलेश यादव के बातों को महत्व देते हैं। इसलिए गठबंधन के सहयोगियों में उनका महत्व भी बड़ा है। इसके अलावा संसद में राहुल गांधी के साथ–साथ अखिलेश पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। अखिलेश भी राहुल गांधी की तरह युवा नेता है। वह ओबीसी के बड़े चेहरे के तौर पर उभरे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्हें सरकार चलाने का अनुभव है। हिंदी भाषी राज्यों में उनकी पकड़ भी मजबूत है।

विरोध प्रदर्शन के बाद फडणवीस के नागपुर आवास पर बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी।

महाराष्ट्र बुधवार को जय विदर्भ पार्टी के कई कार्यकर्ता वैरायटी स्क्वायर पर एकत्र हुए और महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) द्वारा प्रीपेड मीटर लगाने को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के नागपुर स्थित आवास की सुरक्षा

बुधवार को बढ़ा दी गई। उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड बिजली मीटर लगाने के मुद्दे पर एक स्थानीय संगठन के क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन के बाद यह निर्णय लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य ऊर्जा विभाग का भी प्रभार संभालने वाले देवेन्द्र फडणवीस का आधिकारिक आवास सिविल लाइंस के देवगिरी में स्थित है और उनका निजी आवास धरमपथ क्षेत्र के त्रिकोणी पार्क में है, जो विरोधा स्थल से तीन से चार किलोमीटर दूर स्थित है। बुधवार को जय विदर्भ पार्टी के कई कार्यकर्ता वैरायटी स्क्वायर पर एकत्र हुए और महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) द्वारा प्रीपेड मीटर लगाने को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर फडणवीस के दोनों घरों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

मां ने बेटे की कथित हत्या कर शव को जला दिया, पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसीं

नई दिल्ली कपिल ने तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी मां को हिरासत मे ले लिया है। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के थाना हीमपुर दीपा

के गांव जलालपुर हसना में बुधवार को एक मां ने अपने चार वर्षीय पुत्र की धारदार हथियार से कथित तौर पर हत्या कर शव को जला दिया। पुलिस ने बच्चे का जला शव बरामद कर आरोपी मां को हिरासत में ले लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक राम अर्ज ने बताया कि बुधवार सुबह थाना हीमपुर दीपा के गांव जलालपुर हसना में कपिल जब अपने खेत से लौटा तो उसके घर मे पत्नी आदेश देवी अपने चार वर्षीय पुत्र हर्ष की फावड़े से हत्या कर शव को आग में जला रही थी।कपिल ने तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी मां को हिरासत मे ले लिया है। एएसपी के अनुसार पिता कपिल की तहरीर पर मामला पंजीकृत कर आरोपी मां से घटना के कारणों के संबंध मे पूछताछ की जा रही है। कपिल ने बताया कि बच्चे का शव आग से निकालने का प्रयास करने पर उसकी पत्नी आदेश उस पर भी फावडेध से हमला करना चाह रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

विभव कुमार ने जमानत के लिए किया दिल्ली एचसी का रुख, 14 जून को हो सकती है सुनवाई

एजेंसी।

नई दिल्ली केजरीवाल के पूर्व पीए द्वारा दायर की गई यह दूसरी जमानत याचिका थी। इससे पहले 27 मई को उन्होंने अपनी पहली याचिका दायर की थी जिसे दिल्ली की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खारिज कर दिया था। कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था और 1 जून को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने स्वाति मालीवाल मारपीट मामले में नियमित जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया। मामला शुक्रवार 14 जून को सूचीबद्ध होने की संभावना है। इससे पहले 7 जून को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने उन्हें इस मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था। केजरीवाल के पूर्व पीए द्वारा दायर की गई यह दूसरी जमानत याचिका थी। इससे पहले 27 मई को उन्होंने अपनी पहली याचिका दायर की थी जिसे दिल्ली की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खारिज कर दिया था। कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था और 1 जून को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।13 मई को हुई यह कथित घटना तब सामने आई जब मालीवाल ने कथित तौर पर सीएम आवास से पीसीआर कॉल कर अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया। बाद में उन्होंने कुछ दिनों बाद एक पुलिस शिकायत दर्ज की जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि कुमार ने उन्हें दिल्ली के सीएम आवास पर सात से आठ बार थप्पड़ मारा, श्सीने, पेट और श्रोणि क्षेत्र पर लात मारीश, जब वह सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने के लिए वहां गई थीं।

कुवैत में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया–पीएम मोदी

एजेंसी।

नई दिल्ली मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुवैत सिटी में आग लगने की घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने निकट और प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत में आग लगने की एक घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया और कहा कि वहां स्थित भारतीय दूतावास स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और प्रभावितों की सहायता के लिए वहां के अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। कुवैत के दक्षिण मंगाफ जिले में स्थित

एक इमारत में बुधवार तड़के आग लगने से कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। इस इमारत में अनेक श्रमिक रह रहे थे। हालांकि वे किन देशों से संबंध रखते हैं, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। फारस की खाड़ी के दूसरे देशों की तरह कुवैत में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक काम करते हैं, जिनकी संख्या स्थानीय आबादी से कहीं ज्यादा है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुवैत सिटी में आग लगने की घटना दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने निकट और प्रियजनों को खो दिया है।

वायनाड लोकसभा सीट छोड़ेंगे राहुल गांधी केपीसीसी प्रमुख सधाकरन ने दिए संकेत

एजेंसी।

वायनाड गांधी द्वारा अपने समर्थकों को धन्यवाद देने के लिए यहां आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में सुधाकरन ने संकेत दिया कि वायनाड के सांसद यहां की अपनी सीट छोड़ देंगे।केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) प्रमुख के सुधाकरन ने बुधवार को संकेत दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड लोकसभा सीट छोड़ सकते हैं। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में गांधी ने रायबरेली और वायनाड दोनों सीट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा, "हमें दुखी नहीं होना चाहिए क्योंकि राहुल गांधी, जिन्हें देश का नेतृत्व करना है, उनसे वायनाड में बने रहने की उम्मीद नहीं की जा सकती।" उन्होंने कहा, "इसलिए हमें दुखी नहीं होना चाहिए।

देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्यों में यूपी नं.– वन

प्रदेश ने 10 जून को 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र को पीछे छोड़ा यूपी में अधिकतम पीक मांग 29500 मेगावाट रही

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश ने भीषण गर्मी में विद्युत की बढ़ी मांग को सकुशल पूरा करते हुए एक बार फिर से पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने का रिकार्ड बनाया है। प्रदेश में जैसे–जैसे तापमान बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में प्रदेश का ऊर्जा विभाग मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देशन में लगातार नये आयाम स्थापित कर रहा है। विगत दिनों उत्तर प्रदेश ने 29500 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा करते हुए देश में कीर्तिमान स्थापित किया था। वहीं ग्रिड इंडिया पॉवर सप्लाई रिपोर्ट के मुताबिक 10 जून 2024 को एक बार फिर से उत्तर प्रदेश ने देश में सर्वाधिक 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र–गुजरात जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है।ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के कुशल निर्देशन में ऊर्जा विभाग ने विद्युत मांग की चुनौती को सकुशल पूरा कर विगत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी नये रिकॉर्ड बना रहा है। विगत दो वर्ष पहले तक यह रिकॉर्ड पूरे देश में महाराष्ट्र के नाम था। इस वर्ष 10 जून को जारी रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश ने 28889 मेगावाट, महाराष्ट्र ने 24254 मेगावाट, गुजरात ने 24131 मेगावाट, तमीलनाडु ने 16257 मेगावाट और राजस्थान ने 16781 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत अपूर्ति की मांग को पूरा किया है। उत्तर प्रदेश के विद्युत विभाग ने इस वर्ष भी पीक आवर में पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाया है। जो कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में कुशल प्रबंधन एवं बेहतरीन नेतृत्व की बदौलत ही यह सम्भव हो सका है, जिसकी प्रशंसा पूरे देश में हुई है।उत्तर प्रदेश में 28 मई, 2024 को देश में सर्वाधिक 29282 मेगावाट की पीक डिमांड को पूरा किया था। वहीं महाराष्ट्र में 23 मई को सर्वाधिक पीक डिमांड 27517 मेगावाट थी, जबकि उत्तर प्रदेश में 28010 मेगावाट विद्युत की पीक डिमांड थी। पिछले तीन सप्ताह के दौरान प्रदेश में विद्युत की पीक मांग पर दृष्टि डालें तो 23 मई को 28010 मेगावाट, 24 मई को 29147 मेगावाट, 25 मई को 29215 मेगावाट, 26 मई को 29084 मेगावाट, 27 मई को 29261 मेगावाट, 28 मई को 29282 मेगावाट तथा 29 मई को 29077 मेगावाट विद्युत की पीक मांग को सकुशल पूरा किया गया और प्रदेशवासियों को प्रचंड गर्मी में विद्युत संकट का सामना नहीं करना पड़ा, जहां कहीं पर भी अतिभारिता व स्थानीय दोषों के कारण आपूर्ति में व्यवधान हुआ, उसे भी शीघ्र ही ठीक करने का प्रयास किया गया।प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत मांग के अनुपात में ही ऊर्जा विभाग अनवरत विद्युत आपूर्ति कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 4634 सबस्टेशन उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति करने का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। जहां कहीं पर भी विद्युत की मांग बढ़ी है वहां पर नये विद्युत उपकेंद्रों को स्थापित करने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने तथा विद्युत आपूर्ति की जर्जर व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ऊर्जा विभाग निरंतर युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के सभी विद्युत कार्मिको को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रचंड गर्मी में हमारे विद्युत कार्मिको ने विद्युत आपूर्ति बहाल रखने में अपना सर्वाधिक योगदान

दिया है और उपभोक्ताओं को गर्मी में होने वाली परेशानियों से बचाया है। प्रदेश में अभी भीषण गर्मी और लू का संकट बना हुआ है, इसके लिए सभी विद्युत कार्मिक पूरे मनोयोग व सतर्कता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्य करते रहेंगे।

जिला लखनऊ बैड़मिंटन चौम्पियनशिप 28 जून से प्रारम्भ

लखनऊ (आरएनएस) जिला लखनऊ बैडमिंटन चौम्पियनशिप गोमती नगर स्थित बी0बी0डी0 उ0प्र0 बैडमिंटन अकादमी के बैडमिंटन हॉल में 28 जून से 30 जून तक होगी। जिला सचिव अनिल ध्यानी के अनुसार इसे 11 वर्ष 13, 15, 17 व 19 वर्ष एवं पुरुषध्महिला (वेटरन र्स्पधा नही) की एकलध्युगलधमिश्रित युगल स्पर्धाए होगी।इस चौम्पियनशिप के आधार पर जिला टीम का चयन किया जायेगा। जो खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगें वही खिलाडी प्रदेश स्तरीयध्अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेगें।प्रवेश फार्म 18 जून से बी0बी0डी0 उ0प्र0 बैडमिंटन अकादमी हॉल के काउंटर से प्राप्त कर सकते है, प्रवेश फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 25 जून शाम 7 बजे तक होगी ड्रा 26 जून को डाले जाएंगे, अन्य जानकारी फार्म में उपलब्ध है

जन्म जयंती पर बिस्मिल को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया

लखनऊ (आरएनएस)। हिताय संरक्षण समिति के तत्वावधान में आज पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल की जन्म जयंती पर काकोरी शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस कार्यक्रम में सर्वजन हिताय संरक्षण समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने बोलते हुए कहा कि आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं तो इसके पीछे क्रांतिकारियों के बलिदान की एक लंबी श्रृंखला है ।पंडित राम प्रसाद बिस्मिल हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के कमांडर इन चीफ थे ।उनके नेतृत्व में काकोरी में इसी स्थान पर ब्रिटिश सरकार का खजाना लूटकर क्रांतिकारियों ने बरतानिया हुकूमत को सीधी चुनौती दी थी।उन्होंने कहा काकोरी क्रांति एक ऐसी घटना है जिसमें किसी की हत्या नहीं की गई फिर भी पांच लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई।पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ,अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लहरी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी दी गई जबकि चंद्रशेखर आजाद गिरफ्तार नहीं की जा सके और वे प्रयागराज में ब्रिटिश पुलिस के साथ सम्मुख युद्ध में शहीद हुए ।उन्होंने कहा कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल ने फांसी के तख्त पर जब अपनी अंतिम इच्छा बताइ कि मेरी अंतिम इच्छा यह है कि ब्रिटिश राज्य का नाश हो तो पूरी ब्रिटिश हुकूमत थर्रा उठी थी ।आज ऐसे महान क्रांतिकारी का जन्मदिन है। इस अवसर पर संरक्षण समिति की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने कार्यक्रम का संचालन किया और काकोरी शहीद स्मारक पर सभी शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। श्रद्धा सुमन कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्थानीय निवासी मुन्नीलाल राजपूत, अखिलेश द्विवेदी एवं काकोरी के आम नागरिक उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने इस्लामिक जिहाद का पुतला फूंका

लखनऊ (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले के विरोध में लखनऊ के विभिन्न हिस्सों में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने इस्लामिक जिहाद का पुतला फूंका। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने केन्द्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज क्षेत्र में प्रदर्शन करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर के शिवकोड़ी में हुए आतंकी हमले में 10 लोगों ने जान गंवाई है। हमारे देश के हिंदू का खून बहा है, जान गई है। यह कोई सामान्य हादसा नहीं है। हिंदू जनमानस को लक्ष्य करके किया गया हमला है।उन्होंने पुरजोर तरीके से केंद्र सरकार को जमीनी स्तर पर उतर कर कार्रवाई करने और आतंकियों के विरुद्ध बड़ा कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश की हिंदुओं में बहुत गुस्सा है। विश्व हिंदू परिषद पूरे देश में आज एक साथ विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कर रहा है। यही स्थिति बनी रही तो आगे बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा।

मनकामेश्वर मंदिर से लेटे हुए हनुमान मंदिर तक निकलेगी गोमती गौरव पदयात्रा

लखनऊ (आरएनएस)। मनकामेश्वर मंदिर एवं मठ की महंत देव्या गिरी ने बताया कि गोमती नदी के स्वच्छता को एक अभियान और एक मुहिम बनाने के लिए गोमती गौरव पदयात्रा सोलह जून की सुबह छह बजे मनकामेश्वर मंदिर से लेटे हुए हनुमान मंदिर तक निकाली जाएगी।उन्होंने बताया कि गोमती गौरव पदयात्रा में संत समाज से बड़ी संख्या में प्रमुख संतगण और समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी सहित माताएं, बहनें और गोमती भक्त शामिल होंगे। मां गोमती की पूजा आरती की जाएगी और घाटों की स्वच्छता के विषय को उठाया जाएगा।उन्होंने बताया कि पदयात्रा से पहले मनकामेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक भी होगा। इसमें बड़ी संख्या में लखनऊ के लोग सहभागिता कर सकते हैं। रुद्राभिषेक करने के बाद गोमती गौरव पदयात्रा में लखनऊ के हर वर्ग के लोग सम्मिलित हों, इसके लिए वह आमंत्रित करती हैं।

इप्सेफ ने प्रधानमंत्री,रक्षामंत्री को पदभार सँभालने की दी बधाई

लखनऊ। (आरएनएस) कर्मचारियों की लंबे समय से प्रतीक्षा की घड़िया समाप्त होने वाली हैं। बुधवार को इण्डियन पब्लिक सर्विस इम्प्लाईज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र एवं महासचिव प्रेमचन्द्र ने एनडीए सरकार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एवं सभी मंत्रियों को जीत एवं पदभार ग्रहण करने की बधाई देते हुए कहा कि नयी सरकार, पुरानी पेंशन बहाली, 8वे वेतन आयोग का गठन एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का विनियमित, सेवा सुरक्षा, न्यूनतम वेतन की मांग पर जल्द सार्थक निर्णय करेगी।जिससे सरकार एवं कर्मचारियों के बीच आपसी सद्भाव बना रहेगा। उन्होंने बताया कि राजनाथ सिंह ने कहा है कि वे इप्सेफ के राष्ट्रीय नेताओं से बहुत जल्द मिलेंगे। उन्होंने कहा है कि 30 जून एवं 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को 1 जनवरी व 1 जुलाई की पेंशन में एक एन्क्रीमेंट बढ़ाकर देने के संबंध में निर्णय कर दिया गया है।शेष मांगों पर भी पूर्व में दिये गये आश्वासन का अनुपालन करायेंगे। राष्ट्रीय सचिव एवं महामंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा 31 दिसम्बर एवं 1 जुलाई को पेंशन में एक इन्क्रीमेंट बढ़ा कर जोड़ने का आदेश जारी किये जाने का स्वागत किया है।

सराहनीय कार्य के लिए मिला सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं अनुभाग सम्मान

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग, मुख्यालय प्रयागराज में जून माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी रहे।

समारोह में जून माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार डोरीलाल, कार्यालय अधीक्षक कैडर (अराज) को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया। इनके द्वारा 30 अप्रैल 2024 तक 97 में से 94 ई–एसआर अपडेशन का कार्य निर्धारित समय से लगभग एक माह पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया। इनके द्वारा 139 कर्मचारियों की पदोन्नति एवं एमएसीपी, अपग्रेडेशन, एल–8 सम्बन्धी प्रक्रिया भी निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली गयी। सिंगल विंडो सेल के मामले लगातार सप्ताह दर सप्ताह पूर्ण कर लिया जा रहे हैं। वरिष्ठ लिपिक, लेवल–5, कनिष्ठ लिपिक, लेवल–2 एवं जेईध टीएमसी, एवं अभ्यर्थियों के द्वारा रिपोर्ट करने के उपरान्त एचआरएमएस के माध्यम से नियुक्ति, प्रशिक्षण पर भेजा गया। इसी कड़ी में जून माह का सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार निति अनुभाग, कार्मिक विभाग, मुख्यालय को प्रदान किया गया। इस अनुभाग के मुख्य कार्यालय अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव एवं उनके सहकर्मियों को यह पुरस्कार विगत समय में कार्यकुशलता से साथ विभिन्न कार्य को करते हुए सभी कार्यों के उत्कृष्ठ निष्पादन हेतु प्रदान किया गया। इस अनुभाग द्वारा रेलवे बोर्ड द्वारा जारी स्थापना सम्बंधित नीति पत्रों को उत्तर मध्य रेलवे पर समय से परिपत्रित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नीतियों से सम्बंधित प्राप्त सन्दर्भों का अध्ययन एवं उसका निस्तारण भी नीति अनुभाग द्वारा समय से किया जा रहा है। नीति अनुभाग में रेलवे बोर्ड द्वारा समय–समय पर विभिन्न विषयों पर मांगे गए स्पष्टीकरण अथवा सुझाओं पर तत्परता से कार्यवाही करते हुए स्पष्टीकरण एवं सुझाव उपलब्ध कराया गया है।

दि फिफ्त पिलर की जीत में आदित्य–युवराज चमके

प्रयागराज। आदित्य वर्मा के शतक (117 नाबाद, 103 गेंद, 16 चौके, तीन छक्के) और युवराज सरोज की सटीक गेंदबाजी (7–2–27–5) के खेल से दि फिफ्त पिलर क्लब ने गंगा डिग्री कॉलेज को 9 विकेट से हराकर अभ्युदय यूथ प्रांतीय क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये।

सीएवी कॉलेज मैदान पर बुधवार को खेले गए मैच में गंगा डिग्री कॉलेज ने 32.4 ओवर में 199 रन (मोहम्मद शहजाद 31, अंकित कुमार 30, दिलीप कुमार 28, आर्यन यादव 20, युवराज सरोज 5ध्27, अनिक कुमार 3ध्54) बनाये। जवाब में दि फिफ्त पिलर क्लब ने 29.3 ओवर में एक विकेट पर 203 रन (आदित्य वर्मा 117 नाबाद, विशेष यादव 58, अंश यादव 20, आकाश सिंह 1ध्27) बना लिए। आदित्य वर्मा को मैन ऑफ दि मैच चुना गया।

विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल को पूरे अंक

प्रयागराज। विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल ने फाफामऊ क्लब को सात विकेट से हराकर रविकांत अंडर–16 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये।वीबीपीएस मैदान पर बुधवा को खेले गए मैच में टॉस जीतकर फाफामऊ क्लब ने 31.3 ओवर में 138 रन (बिपिन पाल 56, सुमित यादव 47, अनिकेत कुमार 3ध्12, अभिनव पाण्डेय 3ध्30, आदर्श तिवारी 2ध्17) बनाये। जवाब में विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल ने 28.1 ओवर में 3 विकेट पर 141 रन (भूपेंद्र सिंह 48, नीतीश पाल 44 नाबाद, उज्ज्वल शर्मा 31, शौर्य प्रताप सिंह, प्रवीण कुमार, अनीश पटेल एक–एक विकेट) बना लिए।

इंडिया गठबंधन को मिला प्रदेश की जनता का असीम प्रेम और जनसमर्थन–अजय राय

लखनऊ, (आरएनएस) आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता को उ0प्र0 कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भी सम्बोधित किया इस दौरान उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रदेश प्रवक्ता सचिन रावत एवं डॉ0 सुधा मिश्रा भी मौजूद रही।प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उपस्थित सभी पत्रकार बन्धुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश की चर्चा हो रही है। हमारे नेता आदरणीय श्री राहुल गांधी हर जगह उ0प्र0 की चर्चा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मोदी और पूरे एन0डी0ए0 को पूरा भरोसा था और मोदी तथा भाजपा के नेता कहते थे कि 400 पार 80 में 80 उस दावे की प्रदेश की जनता ने हवा निकाल दी। ये कहते थे कि इस बार बनारस 10 लाख पर, बाबा काशी विश्वनाथ की नगरी की जनता ने उस दावे की भी हवा निकाल दी। इस प्रदेश की जनता का असीम प्रेम और जनसमर्थन इंडिया गठबंधन को मिला है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर इस प्रदेश एवं देश को बनाने का काम कर रहे हैं। मैं वाराणसी से चुनाव लड़ा और आप सभी का भरपूर सहयोग मिला।श्री राय ने कहा कि नौजवानों में हाहाकार मचा हुआ है। अभी हाल ही में आये नीट परीक्षा के परिणामों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों में घोर निराशा छा गई है। अब तक पेपर लीक, परीक्षाओं पर सवाल प्रदेश में उठते थे, अब ये बीमारी केन्द्र तक पहुंच गई है। भाजपा सरकार में युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है, बहुत सारे बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो गये हैं।श्री राय ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय के निर्देश पर पूरे प्रदेश की सभी विधानसभाओं में दिनांक 11 जून 2024 से 15 जून 2024 तक कांग्रेस पार्टी धन्यवाद यात्रा निकालकर वहां की जनता का आभार व्यक्त करेगी। इस धन्यवाद यात्रा में पार्टी ने पत्र लिखकर इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों को आमंत्रित किया है। श्री राय ने कहा कि इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ जनमुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने का काम करेगा। चंद पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है मोदी सरकार को जनता के हित में कार्य करने के लिए संघर्ष कर बाध्य करेंगे।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महंगाई एक बार फिर जनता को परेशान कर रही है। अरहर दाल का मूल्य 200 पार हो गया है, आटा भी महंगा हो गया है। कहा जा रहा है कि अब गेहूं भी बाहर से आयात करना पड़ेगा, एक बार फिर अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने की कवायद शुरू हो गई है।श्री अजय राय ने कहा कि उ0प्र0 में कई लोकसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को चुनाव भाजपाई सत्ता के इशारे पर हराया गया जिसकी जांच होनी चाहिए।

भाजपा की धांधली के बावजूद जनता ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में फैसला दिया–अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर बधाई देने वालों का आज भी तांता लगा रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया और कहा कि आप सभी के सहयोग समर्थन एवं परिश्रम से ही समाजवादी पार्टी को भारी सफलता मिली है। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ के डॉ0 राममनोहर लोहिया सभागार में एकत्र सैकड़ों कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की धांधली के बावजूद जनता ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में जो फैसला दिया उससे लोकतंत्र में मजबूती आई है। अयोध्या में जीत ने भाजपा की साम्प्रदायिकता से प्रेरित नफरती राजनीति को खारिज कर दिया है। जनता के समर्थन से राजनीति को सकारात्मक दिशा मिली है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश की जनता ने लोकसभा चुनाव में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए वोट किया है। प्रदेश की जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। अब जनता के प्रति समाजवादियों की और ज्यादा जिम्मेदारी बढ़ गयी है। समाजवादी पार्टी मजबूती से जनता के मुद्दों को लोकसभा में उठाएगी। जनता ने जो भरोसा दिखाया है उस पर हमें खरा उतरना है।श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलतनीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। केन्द्र की सरकार में पिछले 10 सालों में इतनी लूट हुई है कि गेहूं का भंडार घट गया है। विदेश से गेहूं आयात करने के हालात है। आटा महंगा होगा तो इसका सीधा असर जनसामान्य की जेब पर पड़ेगा। श्री यादव ने कहा कि भाजपा जहां भी जीती वहां उसने सत्ता का खुलकर दुरुपयोग किया है। विगत 10 वर्षों में भाजपा सरकार में जनता को तबाही के सिवाय कुछ नहीं मिला है। किसान बर्बाद हो गये। नौजवानों के सपनों पर बुलडोजर चला दिया गया। विकास अवरुद्ध हो गया।इस अवसर पर अवधेश प्रसाद सांसद, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, विधायकगण महबूब अली, नवाब इकबाल, राममूर्ति वर्मा, रविदास मेहरोत्रा, संग्राम यादव, मोहम्मद रिजवी, सुरेश यादव, प्रदीप यादव, विशम्भर यादव, फरीद महफूज किदवई, आशु मलिक सहित श्री अम्बिका चौधरी, लव भार्गव, डॉ0 राजपाल कश्यप, पवन पाण्डेय, राजेश यादव, रामआसरे विश्वकर्मा, प्रो.बी.पाण्डेय, उदयवीर सिंह, संतोष यादव सनी, व्यासजी गोंड, श्रीमती जानकी पाल, अरविन्द यादव

शोध में भारतीय दृष्टि का होना आवश्यक– प्रो आनंद शंकर सिंह

पश्चिम की ज्ञान दृष्टि में शामिल कार्य कारण संबंधों की सीमाओं का किया उद्धृत

प्रयागराज। ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से रिसर्च डिजाइन पर जारी समर स्कूल 2024 के तहत बोलते हुए कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने कहा कि शोध में भारतीय दृष्टि का होना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि भारत में ज्ञान की परंपरा और उसकी पोषणीयता लंबे अरसे से कायम रही है। ऋग्वेद के नाषदीय सूत्र में मनुष्य के सौ वर्ष तक ज्ञान प्राप्ति की पिपासा बनी रहने की बात की गई है। भारतीय ज्ञान मीमांसा में भौतिक सत्ता से परमार्थिक सत्ता की ओर ज्ञान का प्रवाह माना गया है। प्रो. आनंद शंकर ने पश्चिम की ज्ञान दृष्टि में शामिल कार्य कारण संबंधों की सीमाओं को भी उद्धृत किया। उन्होंने शोधार्थियों को अपने शोधकार्य के दौरान प्रस्तावना में किन बिंदुओं की शामिल किया जाए, साहित्य की समीक्षा किस प्रकार की जाये, रिसर्च गैप को चिन्हित करने और परिकल्पना तथा आंकड़ों के विश्लेषण के जरिए ज्ञान की स्थापना की ओर बढ़ने की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से वर्णित किया। इस दौरान राजनीति विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. शिवहर्ष सिंह ने शोध में सिद्धांत की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि सिद्धांत सत्य की व्यक्तिपरक खोज है। उन्होंने सामाजिक विज्ञानों में सिद्धांत के पतन के बौद्धिक विमर्श की ओर इशारा किया। उन्होंने यह भी कहा कि शोध को आंकड़ों से समर्थित और सिद्धांत से प्रशिक्षित होना चाहिए। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विवेक राय और डॉ. अंकित पाठक समेत कॉलेज के शोधार्थी क्रमशः मनीष कुमार, मुकेश कुमार, रवि मिश्रा, शिवानी मोदी, प्रतीक मिश्रा, सूरज कुमार, शिवम त्रिपाठी, अमीर अंसारी, गौरव कुमार, सनी कुमार, कौशलेंद्र शुक्ला, अनुराग सिंह और बृजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

वेंटीलेटर पर एनडीए सरकार– प्रमोद तिवारी

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव परिणामों से उत्साहित कांग्रेस ने प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में धन्यवाद यात्रा की शुरुआत की है। 11 से 15 जून तक चलने वाली पांच दिवसीय यात्रा में कांग्रेसी लोगो से सीधा संवाद कर मतदान के प्रति आभार व्यक्त करेंगे।

बुधवार को सिविल लाइन्स एलगिन रोड स्थित आवास पर पहुचें राज्यसभा में विपक्षी पार्टी के उपनेता प्रमोद तिवारी का धन्यवाद यात्रा निकाल रहे पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान इलाहाबाद लोकसभा सीट पर चार दशक बाद मिली जीत के लिए प्रमोद तिवारी ने जनता और इंडिया गठबंधन के संयुक्त कार्यकर्ताओं का आभार जताया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि ष्एनडीए सरकार वेंटीलेटर पर हैष और उनके सहयोगी पार्टी का पांव सत्ता के एक्सीलेटर पर है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार किसान, गरीब, बेरोजगार युवा और खेत–खलियान के सशक्तिकरण के लिए पिछले कार्यकाल में कुछ नहीं किया है। एनडीए पर हमला बोलते हुए राजयसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि बीजेपी कि जमीन बंजर है और उनके हाथ में बेवफाई का खंजर है। कहा की एनडीए सरकार की उम्र कम है और ख्वाइशें ज्यादा है। जिससे महंगाई और बेरोजगारी का बवंडर आने का खतरा देश में लगातार बढ़ रहा है। इस दौरान गंगापार जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, यमुनापार अध्यक्ष अरुण तिवारी, पूर्व विधयाक विजय प्रकाश, मुकुंद तिवारी, संजय तिवारी, हसीब अहमद, लाल सिंह पटेल, रईस अहमद, तलत अजीम, सुनील यादव, एहतेशाम अहमद, जीशान अहमद, विश्वनाथ सिंह समेत आदि लोग मौजूद रहे।

पूजा पाल पर अभद्र टिप्पणी मामले में सात के खिलाफ एफआईआर

प्रयागराज। कौशांबी की चायल विधानसभा सीट से सपा विधायक पूजा पाल पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। पूजा पाल पर लोक सभा चुनाव को लेकर तमाम तरह की गलत पोस्ट की गयी है। इस मामले को लेकर पूजा पाल ने टिप्पणी करने वाले के खिलाफ शिकायत की है। इस मामले में 7 लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पूरे प्रकरण की जांच पुलिस कर रही है।

सपा विधायक पूजा पाल का आरोप है कि सोशल मीडिया पर सपा छोड़कर भाजपा मे शामिल होने की बात को लेकर तमाम तरह की टिप्पणी की गयी है। पूजा पाल के मुताबिक उनकी शादी को लेकर भी अभद्र टिप्पणी की गयी थी। पूजा पाल ने सोशल मीडिया पर पहले ही इन पोस्ट को लेकर अपनी तरफ से सफाई पेश किया था। जिसके बाद भी कोई कार्रवाई नही हुयी थी। पूजा पाल इस मामले में धूमनगंज थाने में मोनू यादव, रविराज यादव, सोनू, देवराज सिंह, पंकज निषाद, और आदर्श के खिलाफ सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट की स्क्रीन शॉट के साथ शिकायत की थी। जिसके बाद इन सभी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

वहीं इस मामले में एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार के मुताबिक विधायक पूजा पाल की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। मामले में सोनू, मोनू यादव, रविराज यादव, मनप्रीत, पंकज निषाद, देवराज सिंह, आदर्श समेत अन्य के खिलाफ आईटी एक्ट की धारा में केस दर्ज हुआ है। पूजा पाल ने इन सभी लोगों की आईडी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर की गई टिप्पणी, स्क्रीन शॉट आदि पुलिस को सौंपे हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सी.एम.एस. छात्र को 80,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप

लखनऊ, 12 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के छात्र प्रणय प्रताप सिंह को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की ट्रान्सिल्वेनिया यूनिवर्सिटी द्वारा 80,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। प्रणय को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. छात्र ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है।प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 80 से अधिक छात्रों ने स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम रोशन किया है।

बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में सी.एम.एस. छात्र ने जीता गोल्ड मेडल

लखनऊ, 12 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस के कक्षा–6 के प्रतिभाशाली छात्र अविरल गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट बॉक्सिंग चौम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया है एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। अविरल ने यह गोल्ड मेडल 28 किग्रा भार वर्ग में जीता है। प्रतियोगिता का आयोजन बाक्सिंग एसोसिएशन, लखनऊ के तत्वावधान में के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में किया गया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने अविरल के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस चौम्पियनशिप में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. चौक कैम्पस के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपने दमखम व उत्कृष्ट तकनीक की बदौलत शानदार प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल जीतने का गौरव हासिल किया। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

बारिश के पूर्व ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण करें अधिकारी गौरव दयाल

अयोध्या(आरएनएस)। मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में मानसूनी बारिश के पूर्व शहरी क्षेत्र में स्थित नालेध्नालियों के साफ सफाई के अद्यतन स्थित एवं अन्य प्रमुख स्थलों की ड्रेनेज व्यवस्था के संबंध में एक आवश्यक बैठक आयुक्त कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की गई। मंडलायुक्त ने कहा कि जितने भी मार्गो का निर्माण कार्य पिछले एक साल के अंदर किया गया है उन सभी मार्गो की ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण बारिश के पूर्व एक बार सभी संबंधित अधिकारी कर ले जिससे कि बारिश के दौरान मलवा आदि से ड्रेनेज ब्लॉक न होने पाए साथ ही जितने भी मार्गो यथा पंच कोसी व चौदहकोसी सहित अन्य का निर्माण कार्य चल रहा उनमे निकलने वाले मलबे को तत्काल उठाने की निरंतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पी0डब्लू0डी के अधीक्षण अभियंता को निर्देशित किया कि किसी भी मार्ग के निर्माण के दौरान उसमे पूर्व से मौजूद नालेध्नालियों को बिना जिलाधिकारी की अनुमति के न तोड़ा जाए अगर बिना पूर्व अनुमति के इन नाले ध्नालियों को तोड़ा जाता है तो सम्बन्धित अधिशाषी अभियंता का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने नगर आयुक्त श्री संतोष कुमार शर्मा से शहर के प्रमुख नालो की सफाई के अद्यतन स्थित की जानकारी प्राप्त की नगर आयुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि शहर में कुल छोटे बड़े 72 नालो को बारिश के पूर्व सफाई के लिए चिन्हित किया गया है जिसमे से 54 नालो की सफाई पूर्ण हो चुकी है शेष की गतिमान है। उन्होंने उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण श्री अश्विनी कुमार पांडेय से कहा कि अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बनाये गए फैसिलिटी सेंटर यथा पार्किंग स्थलों विभिन्न कुंडों सहित अन्य प्रमुख स्थलों की ड्रेनेज व्यवस्था का सर्वे करवा लें यदि कोई समस्या हो तो उसका निराकरण बारिश से पूर्व करवाना सुनिश्चित किया जाय। बैठक में उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडेय, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा,अपर जिलाधिकारी (विध्रा) महेंद्र कुमार सिंह, पी0डब्लू0डी के अधीक्षण अभियंता,अधिशासी अभियंतागण सहित अन्य संबधित उपस्थित रहे।

डोगरा रेजीमेंट सेन्टर में 24 से होगी अग्विर भर्ती रैली

अयोध्या(आरएनएस)। आगामी 24 जून से 02 जुलाई तक जनपद अयोध्या के डोगरा रेजीमेंट सेन्टर अयोध्या कैंट में अग्निवीर योजना के अन्तर्गत अभ्यर्थियों की अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन प्रस्तावित है। उक्त भर्ती प्रक्रिया को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला मजिस्ट्रेट नितीश कुमार की अध्यक्षता में 14 जून को अपरान्ह 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में एक बैठक आहूत की गयी है। उक्त जानकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर सलिल कुमार पटेल ने दी है।

मिल्कीपुर क्षेत्र में चोरों का आतंक, जांच में जुटी पुलिस

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। थाना खण्डासा क्षेत्र के विनायकपुर गांव में बेखौफ चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाते हुए लाखो के जेवरात व नगदी चोरी कर ले गए, सूचना पाकर पुलिस छानबीन शुरु कर दी।मिली जानकारी के मुताबिक थाना खण्डासा क्षेत्र के विनायकपुर गांव में बेखौफ चोरों ने बीते मंगलवार की देर रात एक के बाद एक तीन घरों में धावा बोलकर अलमारी, बक्सों का ताला तोड़कर उसमें रखे लाखों कीमत के जेवरात व नगदी चुराकर भगा निकले। पीड़ित परिवार की सूचना के बाद डायल 112 और थाना खण्डासा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पीड़ितो के द्वारा दी गयी तहरीर पर अज्ञात चोरों पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस तलाश में जुट गयी है। थाना क्षेत्र के विनायकपुर गांव निवासी पूर्व प्रधान शेष राम मौर्या, घन श्याम मौर्या और कालिका प्रसाद अलग अलग बने घरों में अपने परिवार के साथ रहते है, बीती रात तीनों ही परिवारों के लोग खाना खाने के बाद सो गए। देर रात बैखोफ चोरों ने तीनों ही घरों में धावा बोलकर अलमारी व बक्सों का ताला तोड़कर लाखों रूपए कीमत के जेवरात उठा ले गए।

अनियंत्रित कार ने ई–रिक्शा को मारी टक्कर, तीन घायल

कुड़वारध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। लखनऊ वाराणसी हाइवे पर अलीगंज बाजार से मुसाफिरखाना जा रहे ई–रिक्शा को अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना ने ई रिक्शा में बैठे तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजवाकर क्षतिग्रस्त वाहन को हाइवे से किनारे कराकर आवागमन बहाल कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को बंधुआकला थाना क्षेत्र के अलीगंज बाजार से ई रिक्शा सवारियो को लेकर मुसाफिरखाना की तरफ जा रहा था। जैसे ही ई रिक्शा लखनऊ वाराणसी राजमार्ग पर खड़सा गांव के पास पहुंचा था तभी सुल्तानपुर की तरफ से आ रही अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में मुसाफिरखाना मायके जा रही कुड़वार थाना क्षेत्र के भदहरा गांव निवासी रीता(46) पत्नी अमर बहादुर यादव, उनका पुत्र अंश पुत्र अमर बहादुर यादव, मसेतवा गांव निवासी धनराजी पत्नी सोहनलाल आदि घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे अलीगंज चौकी प्रभारी ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के सीएचसी मुसाफिरखाना भेजवाया। हाईवे पर दुर्घटना ग्रस्त वाहनों ई रिक्शा व कार को हटवाकर आवागमन बहाल कराया। मुसाफिरखाना सीएचसी से सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर किया गया।

घटिया निर्माण मिलने पर ठेकेदार पर होगी कार्रवाई–एक्सईएन

100 गांवों के लोगों का आवागमन होगा आसान

सुल्तानपुर। कई सालों से आवागमन में रोज दुश्वारियां झेल रहे लगभग 100 गांवों के लोगों को जल्द ही सहूलियत मिल जाएगी। बदहाल पड़े करीब 13.5 किलोमीटर कटका–मायंग मार्ग का 31 करोड़ रुपये से निर्माण शुरू हो गया है। बारिश को नजदीक देखते हुए विभाग ने काम तेज करा दिया है। सुल्तानपुर–अयोध्या हाईवे से कटका के पास से निकलने वाला मायंग मार्ग करीब चार साल पहले जर्जर हो गया था। मार्ग के निर्माण का मुद्दा स्थानीय लोगों ने कई बार उठाया। बीते विधानसभा चुनाव में मार्ग के निर्माण का मुद्दा उठा था। साथ ही निवर्तमान सांसद मेनका गांधी के सामने भी प्रकरण उठा था। अधिकारियों व माननीयों के निर्देश पर लोक निर्माण प्रांतीय खंड की ओर से भेजा गया दो बार प्रस्ताव खारिज हो गया था। करीब छह माह पहले फिर पीडब्ल्यूडी की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर शासन ने मुहर लगा दी है। मार्ग के निर्माण के लिए करीब 31 करोड़ रुपये की शासन ने स्वीकृति देते हुए पहली किस्त की धनराशि लोकसभा चुनाव के पहले आवंटित कर दी थी। चुनाव की अधिसूचना लागू होने के पहले विभाग ने टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। विभाग ने अब निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। चुनाव समाप्त होते ही निर्माण कार्य में तेजी आ गई है। विभाग की ओर से करीब 13.5 किलोमीटर मार्ग को दो लेन बनाने के साथ ही सुदृढ़ीकरण कराया जा रहा है। निर्माण से इस मार्ग से जुड़े करीब 100 गांवों के लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशाषी अभियंता संतोषमणि त्रिपाठी ने बताया कि मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है। बारिश के पहले ही मार्ग का कार्य पूरा करने की कोशिश जारी है।कटका–मायंग मार्ग के चल रहे निर्माण में लोगों ने सीसी रोड व पटरी निर्माण में घटिया कार्य कराए जाने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि कुछ जगह पर गिट्टी उखड़ने लगी है। जानकारी मिलने पर एक्सईएन संतोष मणि त्रिपाठी ने स्वयं सड़क का निरीक्षण कर घटिया निर्माण मिलने पर ठेकेदार पर कार्रवाई करने को कहा है।

मौका दीजिये अपने खून को, किसी की रगों में बहने का ...

'लाजवाब तरीका हैं, कई जिस्मों में जिंदा रहने का'

सुलतानपुर(आरएनएस)। रक्तदान–महादान कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथि 14 जून दिन शुक्रवार को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रातः 9 बजे से स्थान स्वाशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एव जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक सुल्तानपुर में रक्तदान महादान महाकुंभ का आयोजन होगा। जिसमे जिले की अधिकांश संस्थाओ के सदस्यगण प्रतिभाग करेगे। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है आप सभी सम्मानित नागरिकों व सामाजिक कार्यकर्ताओ से अपील है कि रक्तदान जीवनदान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिंदगियों को बचाता है। इस बात का अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई अपना खून के लिए जिंदगी और मौत के बीच जूझता है। उस वक्त हम नींद से जागते हैं और उसे बचाने के लिए खून के इंतजाम की जद्दोजहद करते हैं। अनायास दुर्घटना या बीमारी का शिकार हममें से कोई भी हो सकता है। आज हम सभी शिक्षित व सभ्य समाज के नागरिक है, जो केवल अपनी नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए भी सोचते हैं तो क्यों नहीं हम रक्तदान के पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें और लोगों को जीवनदान दें। 'रक्तदान करो शरीर मे नई ऊर्जा का संचार करो' रक्तदान करने के इच्छुक रक्त योद्धाध्वीरांगना अपना रजिस्ट्रेशन करा लें।

आतंकवाद को नेस्तनाबूद कर देना चाहिए–प्रो निशा सिंह

सुल्तानपुर।(आरएनएस) विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जम्मू सेक्टर के रियासी में शिवखोड़ी

दर्शन के लिए जा रहे तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले के विरोध में प्रदर्शन किया तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध नारेबाजी की। विश्व हिंदू परिषद की जिला अध्यक्ष प्रोफेसर निशा सिंह, जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, बजरंग दल जिला संयोजक गौरव पांडेय तथा सह संयोजक प्रांजल सिंह ने सुल्तानपुर जिले के पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन, जिलाधिकारी को सौंपा एवं लगातार तीन दिन से जम्मू सेक्टर में किए जा रहे आतंकवादी हमलों पर गहरा अफसोस व्यक्त तथा देश से इस हमले का मुंहतोड़ जवाब देने की उम्मीद जताई। प्रो निशा सिंह ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए यह भी कहा कि हमारी सरकार को पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक करके आतंकवाद को नेस्तनाबूद कर देना चाहिए। हमारे देश की आस्था आतंकवादी हमलों से नहीं डिग सकती, खीर भवानी मंदिर दर्शन तथा अमरनाथ यात्रा की भीड़ इस बात को प्रमाणित करती है।

डूबे किशारों का नदी से शव बरामद होने के बाद जमा भीड़

गोमती नदी में स्नान के दौरान दो किशोरों की डूबकर मौत –पुलिस ने शव को बरामद कर परिजनों को सौंपा

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। कुमारगंज थाना क्षेत्र में दोस्त के साथ गोमती नदी में नहाने गए दो किशोरों की डूबकर मौत हो गई। साथी दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन बचा नहीं सकें। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से 24 घंटे के भीतर नदी से शव बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी देवगांव थाना कुमारगंज क्षेत्र के रानीपुर पूरे सहतेमऊ गांव निवासी 12 वर्षीय इकरार पुत्र आशु और 13 वर्षीय सैफ पुत्र वसीम अली मंगलवार की दोपहर गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर बह रही गोमती नदी में नहाने चले गए थे। स्नान करते समय दोनों गहरे पानी में चले गए जिससे डूब गए ।शाम 3:00 तक जब दोनों किशोर गांव नहीं पहुंचे तो परिजन खोजबीन करते हुए गोमती नदी बाबा घाट पर पहुंचे तो देख की कपड़ा दोनों लोगों का रखा हुआ है आवाज लगाई कहीं पर कोई आवाज नहीं आई , घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के चौकी प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी कांस्टेबल मनोज यादव ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद स्थानीय गोताखोरों को खोज के लिए नदी में उतारा लेकिन देर रात तक रेस्क्यू चलता रहा कोई शव बरामद नहीं हुआ। गोताखोरों को आज घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर दोनों किशोर का शव बरामद हुआ।

आलोक हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी समेत नाना गिरफ्तार

दो दिन पहले धम्मौर थाना क्षेत्र के बिकना गांव में मिली थी सर कटी लाश

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सोमवार को धम्मौर थाना क्षेत्र में मिले सर कटे शव के मामले में अपर पुलिस अधीक्षक ने खुलासा करते हुए आरोपियों नाना नाती को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। बता दे कि नगर कोतवाली क्षेत्र के अफलेपुर निवासी आलोक कोरी(18) पुत्र अनिल कुमार का शव सोमवार को धम्मौर थाना क्षेत्र के बिकना गांव में मिला था।शव मिलने की सूचना पर धम्मौर पुलिस के साथ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए तीन टीमों का गठन का खुलासे का आदेश दिया था। मंगलवार को मृतक के परिजनों ने लखनऊ वाराणसी मार्ग पर अमहट चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियो की मांग थी कि हत्याकांड का जल्द से जल्द खुलासा किया जाय। तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद प्रशाशन व पुलिस अधिकारियों के समझाने बुझाने पर परिजनो ने प्रदर्शन समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार किया। बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक अरुण चन्द ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि सोमवार को हुए हत्याकांड को संदीप कुमार पुत्र दौलतराम निवासी अफलेपुर थाना कोतवाली नगर ने अपने नाना शिव प्रसाद पुत्र चमरू निवासी सोमनाभार थाना धम्मौर के साथ मिलकर अंजाम दिया था। एएसपी के अनुसार मृतक आलोक का संदीप कुमार की पत्नी से अवैध सम्बन्ध था जो उसकी पत्नी से मोबाइल फोन पर लगातार बात करता था। जिसे बात न करने के लिए संदीप ने मना किया लेकिन वह नहीं माना। जिसके बाद संदीप ने आलोक को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। गांव निवासी होने के कारण आलोक को इस बात का एहसास नहीं था कि संदीप उसकी हत्या कर सकता है। सोमवार को संदीप, आलोक को विश्वास में लेकर अपने ननिहाल धम्मौर बाजार पहुंचा जहां दोनो ने अपने नाना शिव प्रसाद के साथ मिलकर दारू पिया उसके बाद संदीप आलोक को लेकर बिकना गांव पहुंचा। जहा नशे में बुत आलोक पर पहले ईट से हमला किया। जब वह बेहोश हो गया तो धारदार चाकू से गला काटकर फेंक दिया। पूरी घटना को अंजाम देने में आरोपी संदीप के नाना शिव प्रसाद भी साथ थे। बुधवार को स्वाट टीम व धम्मौर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। 24 घंटे में सफल अनावरण के लिए आईजी रेंज लखनऊ ने पुलिस टीम को 25 हजार का इनाम देकर पुरस्कृत किया। घटना के खुलासे में सीओ सिटी शिवम मिश्रा, स्वाट टीम प्रभारी धीरेंद्र कुमार व थानाध्यक्ष तरुण पटेल की अहम भूमिका रही।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला महिला का शव

कुड़वार सुल्तानपुर (आरएनएस)। गांव के बाहर अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त का प्रयास किया। लेकिन शिनाख्त न हो पाने के बाद शव का पंचनामा करते हुए मर्चरी में रखवा दिया।

बुधवार को स्थानीय थाना क्षेत्र के सोहगौली ग्राम पंचायत के डड़िवा गांव के बाहर जंगल के नाले में अज्ञात महिला का शव पड़ा मिला। गांव के बाहर जंगल में शव पड़े होने की सूचना फैलते ही काफी संख्या में ग्रामीण इक्ट्ठा हो गए। शव मिलने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर महिला का सिर थोड़ी दूर पर पड़ा मिला। पुलिस टीम ने महिला के दोनो हाथो की तलाश की लेकीन कही नही मिला। ग्रामीणों की मौजूदगी में पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए शिनाख्त के लिए मर्चरी में रखवा दिया। प्रभारी निरीक्षक अरुण द्विवेदी ने बताया कि शव के शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे है। शव को जंगली जानवरों ने क्षत विक्षत कर दिया था। घटनास्थल पर हत्या की स्थिति नही लग रही है। घटना स्वाभाविक मृत्यु लग रही है। पुलिस की जांच और क्षेत्र के सोहगौली के डड़वा गांव के बाहर जंगल में मिले लगभग तीस वर्षीय अज्ञात महिला का शव पर ग्रामीणों ने सवाल उठाए है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से हत्या के संबंध में कोई अहम सुराग नहीं मिले है। मौत स्वाभाविक लग रही है। जब घटनास्थल पर हत्या के कोई सुराग नहीं मिल रहे है तो सवाल यह है कि गांव से लगभग पांच सौ मीटर दूर जंगल में महिला पहुंची कैसे। शव तीन से चार दिन पुराना लग रहा है। पुलिस के अनुसार शव को जंगली जानवरों ने आधा क्षतिग्रस्त कर दिया है। अब पुलिस के सामने शव के शिनाख्त के साथ साथ घटना को खोलने की कड़ी चुनौती है।

जिला अस्पताल में मरीज को पकड़ा दी गई डेट आफ एक्सपायरी दवा

सुल्तानपुर।(आरएनएस) जनपद सुल्तानपुर के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सुल्तानपुर में अव्यवस्थाओं का जमकर बोलबाला है। बताते चलें कि जहां मरीज अपने आप को ठीक होने के लिए डॉक्टर को दिखाने जाते हैं वहां ऐसी घोर लापरवाही की जाती है कि मरीज की जान पर आ पड़ती है। विदित हो की मरीज विपिन कुमार (उम्र 8 वर्ष) को उसके परिवारीजन डॉक्टर को दिखाने ले गए डॉक्टर ने मरीज को ठीक होने के लिए सिरप प्रोमेथाजीन हाइड्रोक्लोराइड लिखा, पर्ची को लेकर अस्पताल के दवा काउंटर पर गए वहां मरीज के परिवार को डेट ऑफ एक्सपायरी सिरप पकड़ा दिया गया। इस तरीके की घनघोर लापरवाही से मरीज की जान जा सकती थी। स्वास्थ्य विभाग को अपनी इस लापरवाही पर विचार करना चाहिए।'क्या कहते हैं जिम्मेदार' इस मामले में प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव से बात की गई उन्होंने कहा कल हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं था मामले की जानकारी हमें नहीं है, फिलहाल अगर ऐसा है तो संबंधित मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार मेले में 69 युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया

– अयोध्या के 105 युवाओं ने लिया भाग, चार कम्पनियों ने लिया हिस्सा

अयोध्या(आरएनएस)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में बुधवार को सेवायोजन विभाग की तरफ से राजकीय आईटी आई एवं कौशल विकास मिशन के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें 4 कम्पनियां शामिल हुईं। इस मेले के माध्यम से 69 युवाओं को रोजगार मिला। वहीं रोजगार मेलों में अयोध्या के 105 युवाओं को जून माह के पहले सत्र में नौकरी मिली। गुरुवार को रोजगार मेला सेवायोजन कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें 4 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 105 युवाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें 69 युवाओं का चयन किया गया। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में 12, होली हर्ब में 23 ,बसा मैनेजमेंट मार्केटिंग लिमिटेड में 10 , टम्बल ड्राई –24 लोगों का चयन किया। योगी सरकार की इस मुहिम से रोजगार मेले में रोजगार–स्वरोजगार सृजन करने वाले विभागों के भाग लेने से एक ही स्थल पर बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिल मिल रहे हैं। सहायक निदेशक सेवायोजन पद्म वीर कृष्ण ने बताया कि अयोध्या में रोजगार मेले का आयोजन और रोजगार को लेकर शत– प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ है। सेवायोजन की तरफ से अब इससे एक कदम आगे बढ़कर सभी विभागों के लिए रोजगार हेल्प डेस्क भी बनाए जा रहे हैं। वृहद रोजगार मेले के जरिये अयोध्या में बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए जिले के अलग–अलग स्थानों पर आयोजित किए जा रहे ये रोजगार मेले उपयोगी साबित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की तरफ से अलग–अलग विभागों में रोजगार हेल्प डेस्क भी बनाए जाएंगे। सहायक निदेशक सेवायोजन पद्म वीर कृष्ण ने बताया कि रोजगार हेल्प डेस्क बनाकर संबंधित विभाग की ओर से रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण व अप्रेंटिस से इससे जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी जायेगी। इसके लिए भी प्रक्रिया शुरू हो रही है ।

घर से निकला युवक लापता, पुलिस कर रही तलाश

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)। रौनाही थाना क्षेत्र के ड्योढ़ी बाजार निवासी युवक बाइक लेकर घर से निकला और संदिग्धा परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक की बाइक, चप्पल और हेलमेट सोहावल गोण्डा को जोड़ने वाली सड़क पर सरयू नदी पर बने ढेमवा घाट पुल पर पाया गया।

इसे लेकर लोग युवक की नदी में कूदने की आशंका कर रहे हैं। शंका के आधार पर पुलिस व स्थानीय लोगों ने जाल व गोताखोरों की मदद से खोजने का प्रयास किया। लेकिन काफी प्रयास के बाद कुछ भी हासिल नहीं हो सका।

संपादकीय

मौद्रिक नीति यथावत

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है यानी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को 6.5 फीसद पर बनाए रखा है।

रिजर्व बैंक ने आखिरी बार 4 फरवरी, 2023 को दर 0.25 फीसद बढ़ाकर 6.5 फीसद की थी। सात जून को आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिनी बैठक में लिए गए इस बाबत निर्णय की जानकारी देते हुए ब्याज दरों के यथावत रहने की घोषणा की यानी मकान, वाहन और अन्य कर्ज महंगे नहीं होंगे।

समिति के छह में से चार सदस्यों ने ब्याज दरों को यथावत बनाए रखने जबकि दो सदस्यों ने इससे अलग राय जताई थी। दरअसल, आर्थिक वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है जबकि मुख्य मुद्रास्फीति में नरमी से खुदरा महंगाई में लगातार कमी आ रही है। ईंधन की महंगाई दर में भी कमी जारी है।

इसलिए केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों को यथावत बनाए रखने में आसानी रही। लेकिन महंगाई की दर के अपेक्षित से ज्यादा बने रहना सरकार के लिए चिंता का सबब अवश्य है और यह महंगाई चार फीसद के मानक स्तर पर लाने के लिए बराबर सतर्कता बरत रही है।

उसकी चुनौती इस मोर्चे पर कड़ी है क्योंकि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक 2023–24 में महंगाई 4.83 फीसद दर्ज की गई जो अपेक्षित स्तर से ऊंची है। इसके निकट भविष्य में नीचे आने की उम्मीद भी नहीं है। अलबत्ता, वर्ष के ज्यादातर समय इसके 4.5 फीसद के आसपास बने रहने का आकलन है।

अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति में मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि की गति के मद्देनजर रिजर्व बैंक पहले ही पूर्वानुमान लगा चुका था कि मुद्रास्फीति 4.5 फीसद के आसपास रहेगी। बाजार का भी यही आकलन था। इस बीच, केंद्र में गठबंधन सरकार शपथ ले चुकी है।

भले ही सरकार के रुख को लेकर अनिश्चितता है लेकिन इतना तय है कि सरकार का रुख लचीला रहेगा। वह कुछ डेफिसिट के साथ भी काम चलाना चाहेगी बशर्ते आम जन को सहूलियत मिले। मानसून निकट है, और अच्छा मानसून रहने के अनुमान से भी मौद्रिक मैकेनिज्म से दामों को काबू में रखने का उपाय कारगर माना जाएगा।

यही कारण है कि रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति को यथावत रखने के साथ ही मुद्रास्फीति में कमी लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

अलबत्ता, केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में खाद्य मुद्रास्फीति में किसी भी बढ़ोतरी के जोखिम पर बराबर नजर रखेगा ताकि मुद्रास्फीति चार फीसद के स्तर पर लौटे।

वैचारिक मतभेदों को व्यक्त करने का घृणित तरीका

वैचारिक मतभेदों को व्यक्त करने का घृणित तरीका, खासकर जब आप वर्दी पहने हों। शर्मिंदगी और हैरानी इस बात की है कि ये काम सीआईएसएफ की सुरक्षाकर्मी ने किया है जो लोगों की सुरक्षा के लिए होते हैं।

क्या ये कंगना के खिलाफ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर प्लांड अटैक है। सांसद पर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुआ हमला बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर एक सुरक्षाकर्मी द्वारा, जिन पर सुरक्षा का जिम्मा होता है। अपनी शिकायत को रखने का और भी सभ्य तरीका होता है। भारतीय राजनीति और सामाजिक जीवन में हम अक्सर इस तरह की घटनाओं के बारे में सुनते हैं। थप्पड़ से हिंसा की गंभीरता कम होती है और हिंसा के शिकार की कमजोरी ज्यादा उजागर होती है। थप्पड़ से किसी की जान नहीं जाती, उसकी निष्कवचता अधिक प्रकट होती है। उसमें किसी योजना की जगह एक प्रकार की स्वतःस्फूर्तता का तत्व होता है। कहा जा सकता है कि थप्पड़ मारने वाले की मंशा सिर्फ नाराजगी का इजहार होता है। राजनीति और सिस्टम (लोकतंत्र या तानाशाही) में विरोध जायज है और यही विरोध तरह तरह के स्वरूपों में हमारे सामने आता रहता है। थप्पड़ या स्याही हमला भारतीय राजनीति में कोई नया किस्सा नहीं है। पहले भी हमारे नेता इन हमलों का दंश झेलते रहे हैं। इतना ही नहीं कई नेताओं पर जूता उछाले जाने की घटनाएं भी हुई हैं। लोकतंत्र लोगों को विरोध प्रदर्शन की आजादी देता है और लोग विरोध के नए–नए तरीके खोज लाते हैं। कभी विरोध में अंडे, टमाटर फेंके जाते हैं, तो कभी जूते–चप्पल स्कंगना ने किसान आंदोलन के खिलाफ में कुछ बोला तो सीआईएसएफ की कांस्टेबल ने आज कंगना पर हमला कर दिया। ये कहां तक उचित है? जो लोग इसे सही ठहरा रहे हैं वे ये समझ लें कि रक्षक को भक्षक नहीं बनना होता है। आपकी व्यक्तिगत सोच और विचारधारा आपकी ड्यूटी के बीच में नहीं आनी चाहिए। देशभर में दर्जनों नेता हैं जो सेना के खिलाफ बोलते आए हैं। कभी सिक्यूरिटी के दौरान किसी सैनिक की भावना उसकी ड्यूटी के बीच आ गई तो ऐसे नेताओं का वहीं हिसाब हो जाएगा। धारा 370, राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कई नेताओं और सेलिब्रिटीज के घटिया और भद्दे बयान सबके सामने हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ अगर हर सुरक्षाकर्मी सिक्युरिटी के दौरान अपनी भवनाएं दिखाने लगा तो बहुत बड़ी दिक्कत हो जाएगी। मुझे तो ये समझ नहीं आ रहा है कि लोग कैसे इस महिला के एक्ट को जस्टिफाई कर सकते हैं। क्या लोग ये भूल गए कि ऐसे ही दो सुरक्षा कर्मचारियों की भावनाएं उनकी ड्यूटी के बीच आ गई थी जिसकी वजह से इंदिरा गांधी की हत्या हुई। हिंसा की भर्त्सना बिना शर्त जब तक न की जाएगी, जब तक उसके लिए कोई औचित्य तलाशा जाता रहेगा और जब तक वह विचारधारा के आधार पर सही या गलत मानी जाएगी, उसकी पुनरावृत्ति होती रहेगी। संचार माध्यमों द्वारा हिंसा को नयनाभिराम बनाकर अगर उपभोग्य बना दिया गया तो वह फिर बार–बार श्रवदाय की जाएगी और अपनी भयावहता भी खो बैठेगी। वह लोकतंत्र का सबसे सबसे खतरनाक क्षण होगा। देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? क्या इसको बढ़ावा देना उचित है? क्या कल को और कोई नहीं ऐसे किसी नेता या पब्लिक फिगर पर हाथ उठेगा? क्या गारंटी है कि कल को यही घूम कर सभी के पास आएगा। थप्पड़ मारने को उचित नहीं कहा जा सकता, साथ ही ऐसे गुस्से को भी सुनना तो पड़ेगा, सुनना चाहिए। राजनेताओं को समझना चाहिए कि पीड़ित जनता की भावनाओं के प्रति यदि वे न केवल संवेदनहीन बल्कि क्रूर व अमानवीय रवैया अपनाएंगे तो जनता अपनी हताशा किसी रूप में तो व्यक्त करेगी। किसी को थप्पड़ मारना अपराध है। इस तरह के मामलों में पुलिस आईपीसी के सेक्शन 323 के तहत केस दर्ज करती है। उन्होंने आगे कहा कि आईपीसी के सेक्शन 323 के तहत अगर कोई अपनी इच्छा से किसी को चोट या नुकसान पहुंचाता है, तो ऐसा करने पर उसे 1 साल की जेल हो सकती है। साथ ही 1 हजार रु पये का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है, लेकिन अगर ये बात सामने आती है कि किसी ने बदसलूकी की और फिर ये घटना हुई तो अदालत सजा को बदल भी सकती है या मामले को ही खारिज कर सकती है। देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है।

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र–निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना–हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन–प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठारहवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो।

बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख–सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों

को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं। सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून–व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन–केन–प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवनयापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है? दागी एवं अपराधी राजनेता लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना एवं विसंगति बनते जा रहे हैं। बात लोकसभा की ही नहीं है, विभिन्न राज्यों की सरकारों में भी कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराधी छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े–लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। यह खुद की बात है कि केन्द्र में बनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमण्डल में ऐसी विवशता को काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया है। सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा।

आसान नहीं होगा तीसरा कार्यकाल

जीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री स्वंय और भाजपा के अन्य नेता खूब आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि सरकार के संचालन में कोई समस्या नहीं होगी। परंतु हकीकत उनको भी पता है। इस बार मोदी के लिए कामकाज पहले दो कार्यकाल की तरह आसान नहीं होगा। यह कहने का कतई यह आशय नहीं है कि उनके प्रधानमंत्री बने रहने में कोई समस्या आएगी। अगले पांच साल में उनकी सत्ता को कोई समस्या नहीं होगी।

भाजपा की तरफ से या सहयोगी पार्टियों की ओर से सत्ता के लिए खतरा नहीं पैदा किया जाएगा। परंतु सरकार निरंतर दबाव में रहेगी, जिसकी आदत नरेंद्र मोदी को नहीं रही है। इस साल अक्टूबर में वे सत्ता के 23 साल पूरे करेंगे। वे अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। शुरुआती कुछ चुनौतियों को छोड़ दें तो 2002 से दूसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद से लेकर अभी तक उनका राज एकछत्र रहा है। कभी गठबंधन की परवाह करने की उनको जरुरत नहीं रही और न उनके ऊपर कोई आलाकमान रहा। गुजरात में भी वे सत्ता राज्य के प्रधानमंत्री की तरह ही संभालते रहे।

यह पहली बार है, जब वे अपने ऊपर दबाव महसूस करेंगे। अभी तो सारी चीजें अच्छी दिख रही हैं और पार्टी का भी समर्थन दिख रहा है। आरएसएस की ओर से भी कुछ नहीं कहा जा रहा है और सहयोगी पार्टियां भी बिना शर्त समर्थन दे रही हैं। लेकिन एक बार हनीमून पीरियड खत्म हुआ और कामकाज रूटीन में लौटा तो रोजमर्रा के कामकाज को लेकर भी दबाव और चुनौतियां सामने आने लगेंगी। सबसे पहली चुनौती सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों के निजी स्टाफ की नियुक्ति, उनके विभागीय सचिवों की नियुक्ति और उनके स्वायत्त होकर काम करने की मांग को लेकर होगी। अगर एक बार ऐसी स्वायत्तता सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों को मिली तो खरबूजे को देख कर खरबूजा रंग बदलता के अंदाज में भाजपा के अपने मंत्री भी पूरी नहीं तो आंशिक स्वायत्तता की मांग कर सकते हैं और नहीं मिलने पर विरोध जता सकते हैं।

ध्यान रहे अभी तक मंत्रियों को निजी स्टाफ और उनके मंत्रालयों के विभागीय सचिवों की नियुक्ति केंद्रीकृत तरीके से

होती रही है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली नियुक्ति समिति सारी नियुक्तियां करती है। इस समिति में प्रधानमंत्री के अलावा राजनाथ सिंह और अमित शाह सदस्य थे। एकाध मंत्रियों को छोड़ दें तो शायद ही कोई मंत्री पसंदीदा सचिव या स्टाफ की मांग कर सकता था। लेकिन सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों के साथ यह रूटीन काम नहीं करने वाला है।

सहयोगी पार्टियों के कई ऐसे नेता मंत्री बने हैं, जो मंत्रालयों के कामकाज से पहले से वाकिफ हैं और नौकरशाही की समझ भी रखते हैं। वे अपने राज्य के भरोसेमंद अधिकारियों को रखने की जिद कर सकते हैं। ऐसा होने पर सरकार के कामकाज पर कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री सचिवालय की जो आइरन ग्रिप है वह कमजोर पड़ेगी। इससे सब कुछ एक जगह से संचालित होने और एक ही नेता को हर काम का श्रेय मिलने की अब तक चली आ रही परंपरा भी खत्म हो जाएगी।

दूसरी चुनौती यह है कि सहयोगी पार्टियों के नेता खास कर दो बड़ी सहयोगी पार्टियों, जनता दल यू और तेलुगू देशम पार्टी की ओर से क्षेत्रीय आकांक्षा को ज्यादा महत्व दिया जाएगा। उनका रुझान अपने राज्य की ओर ज्यादा होगा। वे अपने राज्य के लिए ज्यादा से ज्यादा फंड लेने और विकास के काम करने का प्रयास करेंगे। इससे भी संतुलन प्रभावित होगा। ध्यान रहे तेलुगू देशम पार्टी ने आंध्र प्रदेश के लिए और जनता दल यू ने बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग भी की है। अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है तो ये दोनों पार्टियां विशेष पैकेज की मांग करेंगी। यानी मंत्रालय के स्तर पर एक पूर्वाग्रह होगा और समर्थन हासिल करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पैकेज देने की जरुरत भी होगी। इससे क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं या हितों के बीच टकराव पैदा होगा। प्रधानमंत्री के नाते मोदी की प्राथमिकताएं राष्ट्रीय होंगी और उनको भाजपा शासित राज्यों का भी ध्यान रखना होगा।

तीसरी चुनौती कुछ विवादित मुद्दों या नीतियों को लेकर है। सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना भी इसमें शामिल है। इसमें बदलाव की बात शुरू हो चुकी है। जनता दल यू की ओर से कहा गया कि इस पर विचार की जरुरत है तो बिहार के पांच सांसदों वाली लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से भी इसका समर्थन किया गया है। अगर जदयू, लोजपा और टीडीपी तीनों पार्टियां इस मुद्दे पर एक साथ आती हैं तो सरकार को इस पर विचार करना होगा। भले इसे पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जाए लेकिन इसकी सेवा शर्तों को बेहतर बनाने की बात हो सकती है। ध्यान रहे विपक्षी पार्टियों को कई मुद्दों पर सरकार की फॉल्टलाइन का पता है।

विपक्ष को अंदाजा है किन मुद्दों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों को सरकार के खिलाफ खड़ा किया जा सकता है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने नीट को इसमें शामिल किया है। एमके स्टालिन की पार्टी ने जेडीयू और टीडीपी दोनों से मांग की है कि वे मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा नीट को समाप्त करने के लिए सरकार पर दबाव बनाएं। ध्यान रहे अभी नीट की परीक्षा में हुई बड़ी गड़बड़ी सामने आई है, जिसके बाद से इस पर सवाल उठ रहे हैं। टीडीपी को इस मसले पर डीएमके का साथ देने में समस्या नहीं होगी। ऐसे ही मुसलमानों के आरक्षण का मामला है। टीडीपी अपने राज्य में मुसलमानों को आरक्षण बनाए रखने के पक्ष में है और नीतीश भी इसके समर्थन में हैं।

चौथी चुनौती मजबूत विपक्ष की है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार इतना मजबूत विपक्ष लोकसभा में बैठेगा। पिछली बार भाजपा के 303 सांसद थे और एनडीए के सांसदों की कुल संख्या साढ़े तीन सौ के करीब थी लेकिन ऐसा नहीं था कि बाकी दो सौ सांसद विपक्ष में थे। उसमें बीजू जनता दल के 12 और जगन मोहन के 22 सांसद तटस्थ रुख रखते थे और मुद्दों के आधार पर सरकार को समर्थन देते थे। इनके अलावा भाजपा विरोधी ज्यादातर पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ कर आई थीं। तभी वास्तविक विपक्ष एक सौ से भी कम सांसदों का था। लेकिन इस बार गठबंधन बना कर साढ़े चार सौ से ज्यादा सीटों पर विपक्ष ने चुनाव लड़ा और 204 सांसद इंडिया ब्लॉक के चुन कर आए हैं। किसी विपक्षी पार्टी या चुनाव पूर्व विपक्षी गठबंधन की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसमें ममता बनर्जी के 29 सांसदों को जोड़ दें तो विपक्ष की संख्या 233 हो जाती है। यानी 293 का पक्ष और 233 का विपक्ष। इतने मजबूत विपक्ष के होते सरकार के लिए मनमाने फैसले करना मुश्किल होगा। विधायी कामकाज में भी सरकार को विपक्ष के साथ सहमति बना कर ही फैसला करना होगा। यह भी संभव है कि सत्तापक्ष की कुछ पार्टियां या सांसद मुद्दा विशेष के आधार पर विपक्ष के साथ हो जाएं तो सरकार के लिए और मुश्किल होगी। इस साल जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं उनमें से महाराष्ट्र में गठबंधन को लेकर अनिवार्य रूप से खींचतान होगी। कैबिनेट मंत्री पद को लेकर अजित पवार की पार्टी के साथ विवाद शुरू भी हो गया है। अगले साल बिहार में भी चुनाव है और वहां भी गठबंधन के अंदर तनाव बढ़ सकता है। इस राजनीतिक चुनौती से निपटना भी एक बड़ा काम होगा। एक अन्य राजनीतिक चुनौती भाजपा और आरएसएस के संबंधों को साधने की होगी।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए। किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के जो लोग लेखक हैं, उनकी किसी कविता को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करेंगे, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है। आज माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। आपको किसी काम में दोस्तों से सहयता मिलेगी।

वृष राशि–आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप परिवार वालों के साथ टाईम स्पेंड करेंगे। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आप किसी काम को नए सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे।आप आपके कार्य समय से पूरे होते चले जाएंगे।

मिथुन राशि–आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा। आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको बढ़ोत्तरी के नए अवसर प्राप्त होंगे। आप कोई भी अवसर हाथ से न जाने दें। आपके काम में सफलता मिलेगी। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

कर्क राशि–आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपका कोई नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है। आप उनसे अपनी कोई निजी बातें शेयर कर सकते हैं। इससे आपके मन की उलझन थोड़ी कम होगी। परिवार की उलझनों को सुलझाने में आज किसी रिश्तेदार की मदद मिल सकती है।

सिंह राशि–आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम हाथ में लेंगे, वो पूरा हो जाएगा… साथ ही अन्य कामों की गति बनी रहेगी। आप खुद को रिलेक्स फील करेंगे। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके विवाह की बात फाइनल हो जाएगी। घर का माहौल बेहतर बना रहेगा।

कन्या राशि–आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज लोग आपकी बातों पर पूरा ध्यान देंगे, यात्रा की योजना बन सकती है। पैसों की कुछ उलझी हुई स्थितियों का समाधान आज निकल जाएगा। रोजमर्रा के काम पूरे हो सकते हैं।

तुला राशि–आज का दिन बदलाव से भरा रहेगा। आज का दिन जीवन में अहम मोड़ लाएगा। आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ध्यान रहे जो भी करें, सोच–समझ कर करें।

वृश्चिक राशि–आज का दिन जीवन में किसी नयी खुशी का संकेत लायेगा। आपका जीवनसाथी आपको कोई बड़ी खुशखबरी देंगे। परिवार के बाकी लोग भी काफी खुश नजर आयेंगे। रिश्तों और काम के बीच तालमेल बना रहेगा। आर्थिक रूप से आप स्ट्रॉंग रहेंगे। इंजीनियर्स को कोई बड़ा फायदा होगा। इस राशि के मैनेजर पॉस्ट के लोग अपने काम को अच्छे से संभालेंगे। बच्चों के साथ शॉपिंग करने मॉल जा सकते हैं, उन्हें काफी अच्छा लगेगा। आज आपके व्यापार की गति बढ़ेगी।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिए फेवरबल रहेगा। आज आप ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आपका काम समय पर पूरा होगा। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिए फायदेमंद रहेगी। स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं।

मकर राशि–आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से आपको मदद मिलेगी, जिससे काम करने में आसानी होगी। किसी काम में माता–पिता की सलाह फायदेमंद साबित होगी। जीवनसाथी के साथ किसी रेस्टोरेंट में डिनर करने का प्लान बनायेंगे।

कुंभ राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई ऐसा काम दिया जाएगा, जिसे आप आसानी से पूरा कर लेंगे। आज आपसे किसी मामले में एक्सपर्ट के तौर पर सलाह ली जा सकती है। आपका वैवाहिक जीवन बेहतर बना रहेगा। आज आप अपनों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

मीन राशि–आज का दिन यात्रा में बीत सकता है। ये आज ऑफिस के किसी काम से रिलेटिड हो सकती है। आज आप कुछ मस्ती के मूड में रहेंगे। इससे आपका मन खुश रहेगा। इस राशि के बच्चे किसी ड्राइंग कॉम्पिटिशन में भाग ले सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है।

भारत से लौटने के बाद बदले मुइज्जू के सुर, पीएम मोदी के लिए कही यह बात

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ अपनी बैठक में, मालदीव के नेता ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया और मालदीव को भारत की निरंतर सहायता के लिए स्वीकार किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी मुइज्जू से मुलाकात की और भविष्य में दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग की उम्मीद जताई।मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे। चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अपनी यात्रा के बाद एक सरकारी प्रसारक से कहा कि ईश्वर की इच्छा से दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों के परिणामस्वरूप मालदीव और मालदीववासियों के लिए समान रूप से समृद्धि बढ़ेगी। पीएम मोदी द्वारा आमंत्रित मुइज्जू ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

एक उच्च स्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ, राष्ट्रपति मुइज्जू ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और एक साथ भोज में भाग लिया, जहां मुइज्जू पीएम मोदी के बगल में बैठे थे। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ अपनी बैठक में, मालदीव के नेता ने गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए

आभार व्यक्त किया और मालदीव को भारत की निरंतर सहायता के लिए स्वीकार किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी मुइज्जू से मुलाकात की और भविष्य में दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग की उम्मीद जताई।मुइज्जू की यात्रा मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर की हाल की भारत यात्रा के बाद हो रही है, क्योंकि पिछले साल संबंधों में आई खटास के बाद दोनों देश एक कूटनीतिक रस्सी पर चल रहे हैं, जब नए शपथ ग्रहण करने वाले राष्ट्रपति ने अपने देश से तीन विमानन प्लेटफार्मों का संचालन करने वाले सभी भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी की मांग की थी।

मोदी सरकार का हैरतअंगेज फैसला! भारत के तगड़े एक्शन से कांप उठा चीन

लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनते ही चीन को अब उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक भारत भी अब एलएसी से सटे चीन के कब्जे वाले क्षेत्रों के नाम बदलने जा रहा है। भारत का ये कदम विस्तारवादी चीन को सबक सिखाने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एस जयशंकर को लगातार दूसरी बार विदेश मंत्री क्यों बनाया? इसका पहला जवाब आ चुका है। पद संभालने के साथ ही एस जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ साथ चीन पर अपना पहला वज्र गिरा दिया है। इसी साल मार्च अप्रैल के दौरान चीन ने अरुणाचल प्रदेश के 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। इसके साथ ही नया चीनी नक्शा भी जारी किया गया था। उस समय भारत ने कड़ी आपत्ति जाहिर की थी और हमारे देश में भी विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर चीन के सामने सरेंडर करने का आरोप लगाया था। लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनते ही चीन को अब उसी की भाषा में जवाब देने का मन बना लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक भारत भी अब एलएसी से सटे चीन के कब्जे वाले क्षेत्रों के नाम बदलने जा रहा है। भारत का ये कदम विस्तारवादी चीन को सबक सिखाने वाला है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को इस बात का अंदाजा तो होगा कि कूटनीति के मैदान में मोदी और जयशंकर की जोड़ी इस बार ज्यादा आक्रमकता से खेलेगी। लेकिन उन्हें इस बात का कतई अंदाजा नहीं होगा कि पहले ही दिन से पावर हिटिंग शुरू हो जाएगी। विदेश मंत्रालय में चीन को जवाब देने वाली लिस्ट तैयार है। भारत एलएसी के उस पार चीन के नियंत्रण वाली 25 से 30 जगहों के नाम बदलने का फैसला कभी भी ले सकता है। सूत्रों के मुताबिक जिन जगहों के नाम बदले जाएंगे उनकी लिस्ट तैयार है। इस लिस्ट में 11 पहाड़, 4 नदियां, 1 तालाब और करीब 12 रिहाइशी इलाके शामिल हैं। इनके चीनी नाम नहीं बल्कि तिब्बती नाम दर्द किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार मोदी सरकार के फैसले के बाद सेना नए नाम के साथ नक्शा भी जारी

कर सकती है। मोदी सरकार का ये कदम चीन के उस पैंतरे के खिलाफ है जिसमें मार्च अप्रैल के दौरान 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। भारत की तरफ से भी इसपर तगड़ा रिस्पॉन्स देखने को मिला है। भारत ने कहा है कि नाम बदलने से घर नहीं बदलता है। चीन ने जिन 30 जगहों के नाम बदले थे उनमें 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, 1 पर्वत और 1 पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता है। चीन ने इन सभी नामों को चीनी भाषा, तिब्बत और रोमन में जारी किया था। पिछले सात सालों में अरुणाचल को अपना हिस्सा बताने का दुस्साहस चीन ने चौथी बार किया है। अमेरिकी नेतृत्व भले ही श्एक चीनश नीति को लेकर असमंजस में हो, लेकिन भारत ने पिछले एक दशक से चीनियों के लिए जादुई शब्द नहीं बोले हैं, जबकि वह निर्वासित तिब्बती नेतृत्व के साथ–साथ दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता का खुला समर्थन कर रहा है। 488 किमी एलएसी पर भारतीय सैन्य सीमा बुनियादी ढांचे ने मोदी शासन के तहत बेहतरीन छलांग लगाई है और यह सुनिश्चित करने के लिए वर्गीकृत प्रयास भी किए जा रहे हैं कि सबसे खराब स्थिति में भी भारतीय सैनिकों के पास गोला–बारूद और तोपखाने की कमी न हो।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन अगले सप्ताह उत्तर कोरिया का करेंगे दौरा, शीर्ष एजेंडे में रहेगा वेपन डील

रूस के मुख्य अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल पर सितंबर में अपनी बैठक के दौरान, किम ने रूसी राष्ट्रपति को सुविधाजनक समय पर उत्तर कोरिया का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया और पुतिन ने इसे स्वीकार कर लिया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने बुधवार को पुतिन को रूस के राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में एक बधाई संदेश भेजा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही उत्तर कोरिया का दौरा करेंगे। बड़ा घटनाक्रम तब सामने आया जब उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को रूस के साथ देश के बढ़ते संबंधों की सराहना की। दोनों की मुलाकात होती है तो यह किम जोंग की पुतिन से तीसरी मुलाकात होगी। पिछले सितंबर में पुतिन के साथ बैठक के लिए किम के रूस दौरे के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य, आर्थिक और अन्य सहयोग तेजी से बढ़ा है।अमेरिका, दक्षिण कोरिया और उनके सहयोगियों का मानना घ्ह्है कि उत्तर कोरिया ने उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन में अपने युद्ध का समर्थन करने के लिए रूस को तोपखाने, मिसाइलों और अन्य पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति की है। किम अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चा खोलने के लिए रूस और चीन के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने पर जोर दे रहे है। रूस के मुख्य अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल पर सितंबर में अपनी बैठक के दौरान, किम ने रूसी राष्ट्रपति को सुविधाजनक समय पर उत्तर कोरिया का दौरा करने के लिए आमंत्रित

किया और पुतिन ने इसे स्वीकार कर लिया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने बुधवार को पुतिन को रूस के राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में एक बधाई संदेश भेजा। किम की टिप्पणी तब आई जब मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि पुतिन के अगले सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया का दौरा करने की उम्मीद है। यदि एहसास हुआ तो यह उनकी तीसरी शिखर बैठक होगी। उनका पहला शिखर सम्मेलन अप्रैल 2019 में व्लादिवोस्तोक में हुआ था। जापानी सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने उच्च पदस्थ रूसी अधिकारियों सहित अज्ञात राजनयिक स्रोतों का हवाला देते हुए बुधवार को बताया कि पुतिन अगले सप्ताह उत्तर कोरिया और वियतनाम की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।

भूकंप के झटके महसूस किये गये

अधिकारियों को निवासियों से लगभग 80 कॉल प्राप्त हुईं जिनमें उन्होंने भूकंप आने की सूचना दी। उन्होंने कहा कि भूकंप की वजह से बुआन में एक घर की दीवार टूटने की खबर है। द दक्षिण कोरिया में दक्षिण–पश्चिमी काउंटी बुआन के निकट क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किये गये। मौसम एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.8 मापी गई। एजेंसी के मुताबिक, यह 2024 में दक्षिण कोरिया में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था लेकिन बुधवार सुबह तक किसी बड़े नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं थी। उत्तरी जिओला प्रांत में अग्निशमन विभाग की एक अधिकारी जो हे–जिन ने बताया कि अधिकारियों को निवासियों से लगभग 80 कॉल प्राप्त हुईं जिनमें उन्होंने भूकंप आने की सूचना दी। उन्होंने कहा कि भूकंप की वजह से बुआन में एक घर की दीवार टूटने की खबर है।

यूक्रेन को एक और पैट्रियट मिसाइल प्रणाली भेजेगा अमेरिका

मिसाइल प्रणाली भेजने का यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के रक्षा विभाग से जुड़े नेता यूक्रेन की सुरक्षा आवश्यकताओं पर अपनी मासिक बैठक की तैयारी में जुटे हैं। रूस के शक्तिशाली हमलों से जूझ रहे उत्तरपूर्वी खार्किव क्षेत्र में जवाबी हमलों के लिए हवाई सुरक्षा संबंधी मदद मांग रहे यूक्रेन को अमेरिका एक और पैट्रियट मिसाइल प्रणाली देगा। दो अमेरिकी अधिकारियों ने

मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है। अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जाने वाली यह दूसरी पैट्रियट प्रणाली होगी। इस निर्णय की हालांकि सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई है। इस निर्णय के बारे में सबसे पहले 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने खबर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पिछले महीने के अंत में अमेरिका से पैट्रियट प्रणाली मांगी थी। मिसाइल प्रणाली भेजने का यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के रक्षा विभाग से जुड़े नेता यूक्रेन की सुरक्षा आवश्यकताओं पर अपनी मासिक बैठक की तैयारी में जुटे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन बृहस्पतिवार को ब्रसेल्स में बैठक की मेजबानी करेंगे।

रूस–यूक्रेन में दो और भारतीय नागरिकों की मौत

इसने कहा, ''हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। मॉस्को में हमारे दूतावास ने रूसी अधिकारियों पर पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द वापस भेजने का दबाव बनाया है। भारत ने मंगलवार को कहा कि रूसी सेना द्वारा भर्ती किए गए दो भारतीय नागरिक हाल में रूस–यूक्रेन युद्ध में मारे गए हैं, जिससे ऐसी मौतों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने रूस के साथ इस मामले को मजबूती से उठाया है और रूसी सेना में शामिल सभी भारतीय नागरिकों की जल्द वापसी की मांग की है। इसने एक बयान में कहा कि भारत ने मांग की है कि ''रूसी सेना द्वारा भारतीय नागरिकों की किसी भी और भर्ती पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए और ऐसी गतिविधियां हमारी साझेदारी के अनुरूप नहीं होंगी।''विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हमें यह बताते हुए खेद है कि रूसी सेना द्वारा भर्ती किए गए दो भारतीय नागरिक हाल ही में रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में मारे गए हैं।'' इसने कहा, ''हम मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। मॉस्को में हमारे दूतावास ने रूसी अधिकारियों पर पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द वापस भेजने का दबाव बनाया है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर पीएम मोदी को आया ओमान के सुल्तान का फोन काल,

सुल्तान ने ओमान और भारत के बीच सदियों पुराने दोस्ती के संबंधों पर जोर दिया और भारतीय लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। मोदी ने उनकी शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और दिसंबर 2023 में उनकी भारत यात्रा पर प्रकाश डाला, जिससे सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग गहरा हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने मंगलवार को दोनों देशों के लाभ के लिए द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा और मजबूत करने का संकल्प लिया। ओमान के सुल्तान ने आम चुनावों के बाद तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री के रूप में उनकी पुनः नियुक्ति पर बधाई देने के लिए मोदी को टेलीफोन किया। विदेश मंत्रालय ने बातचीत के बारे में एक रीडआउट में कहा कि दोनों नेताओं ने दोनों देशों के पारस्परिक लाभ के लिए भारत–ओमान साझेदारी को और गहरा और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।सुल्तान ने ओमान और भारत के बीच सदियों पुराने दोस्ती के संबंधों पर जोर दिया और भारतीय लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। मोदी ने उनकी शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और दिसंबर 2023 में उनकी भारत यात्रा पर प्रकाश डाला, जिससे सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग गहरा हुआ। मोदी ने आगामी ईद–उल–अजहा त्योहार के लिए सुल्तान और ओमान के लोगों

को शुभकामनाएं भी दीं। मामले से परिचित लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भारत और ओमान ने देश की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी कर ली है और आने वाले हफ्तों में इस समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।बातचीत की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा, व्यापार समझौते से संबंधित सभी तकनीकी मुद्दे सुलझा लिए गए हैं और दोनों पक्षों के राजनीतिक नेतृत्व के समर्थन के कारण चर्चा में तेजी से प्रगति हुई है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलने और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के अलावा उर्वरकों की सस्ती आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है।

चीन नौसेना के 'असंतुष्ट' पूर्व अधिकारी ने स्पीडबोट से ताइवान में प्रवेश किया

चीन की नौसेना का एक पूर्व कप्तान अपनी स्पीडबोट के साथ राजधानी ताइपे के बाहर एक घाट तक पहुंच गया। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच उच्च सुरक्षा उपायों के बावजूद मुख्य भूमि के एक चीनी व्यक्ति द्वारा घुसपैठ की ताइवान के शीर्ष राजनेताओं ने कड़ी आलोचना की है। बीजिंगध्ताइपे । चीनी नौसेना के एक पूर्व कप्तान ने रविवार को ताइवान की नौसेना को उस समय चौंका दिया जब वह अपनी स्पीडबोट के साथ राजधानी ताइपे के बाहर एक घाट तक पहुंच गया। चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच उच्च सुरक्षा उपायों के बावजूद मुख्य भूमि के एक चीनी व्यक्ति द्वारा घुसपैठ की ताइवान के शीर्ष राजनेताओं ने कड़ी आलोचना की है। चीन

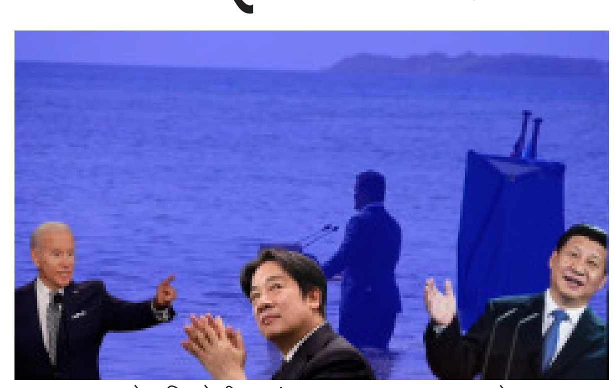

ताइवान को विद्रोही प्रांत मानता है जिसे मुख्य भूमि के साथ फिर से एकीकृत किया जाना चाहिए, भले ही इसके लिये बल का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। भगोड़ा बताये जा रहे रुआन (60) नामक व्यक्ति को न्यू ताइपे में तमसुई के तट से 11 किलोमीटर दूर देखा गया। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने मंगलवार को बताया कि तटरक्षक बल के अनुसार, ताइपे शहर की ओर जाने वाली तमसुई नदी में प्रवेश करने के बाद नाव घाट पर एक अन्य नौका से टकरा गई। रुआन ने खुद को चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन बताया और कहा कि वह एक दिन पहले ही चीन के तटीय शहर फूजौ के निंगडे बंदरगाह से रवाना हुए थे। हालांकि, ताइवान के तटरक्षक ने कहा कि नाव पर कोई खाद्य या पेय पदार्थ नहीं मिला। तटरक्षक बल के अनुसार, उस व्यक्ति ने कहा कि उसे "अनुचित बयान देने" के कारण मुख्य भूमि के अधिकारियों द्वारा सताया गया था और वह ताइवान भाग जाना चाहता था। उन पर आव्रजन अधिनियम सहित विभिन्न ताइवानी कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने मंगलवार को कहा कि इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि चीनी स्पीडबोट की घुसपैठ बीजिंग की एक रणनीति हो। 'ताइवान न्यूज' की खबर के अनुसार, इसके बाद रक्षा मंत्रालय चीन की ओर से जहाजों की घुसपैठ को रोकने के उपायों को मजबूत करेगा।

पाकिस्तानी में पहला समलैंगिक नाइट क्लब खोलने की कोशिश, व्यक्ति को मेंटल असायलम भेजा गया

क्लब स्थापित करने की कोशिश कर रहे व्यक्ति ने यूके दैनिक को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वह मानवाधिकारों के बारे में बात करता है और चाहता है कि हर किसी के मानवाधिकारों की रक्षा की जाए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अगर उनका आवेदन खारिज कर दिया गया तो वह अधिकारियों से लिखित जवाब मांगेंगे।ब्रिटेन स्थित टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी व्यक्ति को देश का पहला समलैंगिक नाइट क्लब खोलने की कोशिश करने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा मानसिक अस्पताल भेजा गया था। उस व्यक्ति ने उत्तरी पाकिस्तान के एक रूढ़िवादी शहर एबटाबाद में क्लब स्थापित करने के लिए एक आवेदन दायर किया था, जहां कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन पाया गया था और मारा गया था। व्यक्ति ने एबटाबाद के डिप्टी कमिश्नर को दिए अपने आवेदन में दावा किया कि यह क्लब विशेष रूप से एबटाबाद और सामान्य रूप से देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले कई समलैंगिक, उभयलिंगी और यहां तक घ्धकि कुछ विषमलैंगिक लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा और संसाधनष होगा। क्लब स्थापित करने की कोशिश कर रहे व्यक्ति ने यूके दैनिक को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वह मानवाधिकारों के बारे में बात करता है और चाहता है कि हर किसी के मानवाधिकारों की रक्षा की जाए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अगर उनका आवेदन खारिज कर दिया गया तो वह अधिकारियों से लिखित जवाब मांगेंगे। उन्होंने द टेलीग्राफ को बताया, मैंने पाकिस्तान में सबसे उपेक्षित समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष शुरू किया है और मैं हर मंच पर अपनी आवाज उठाऊंगा।समलैंगिक क्लब के आवेदन से पाकिस्तानियों में रोष पाकिस्तान में समलैंगिक क्लब को लीक करने का आवेदन सोशल मीडिया पर लीक हुआ।

यमन में प्रवासी नाव डूबने से 49 की मौत, 140 लापता, अब तक 71 को बचाया गया

यमन पूर्वी अफ्रीका और हॉर्न ऑफ अफ्रीका से काम के लिए खाड़ी देशों तक पहुंचने की कोशिश करने वाले प्रवासियों के लिए एक प्रमुख मार्ग है। आईओएम ने पिछले महीने कहा था कि यमन में लगभग एक दशक लंबे गृहयुद्ध के बावजूद, 2021 से 2023 तक सालाना आने वाले प्रवासियों की संख्या तीन गुना हो गई है, जो लगभग 27,000 से बढ़कर 90,000 से अधिक हो गई है।संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, एक दुखद घटना में सोमालिया और इथियोपिया के प्रवासियों को ले जा रही एक नाव यमन के तट पर डूब गई, जिसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई, जबकि 140 अन्य अभी भी लापता हैं। एजेंसी ने कहा कि मृतक प्रवासियों में 31 महिलाएं और छह बच्चे थे। आईओएम ने एक बयान में कहा कि नाव सोमालिया के उत्तरी तट से लगभग 260 सोमालियाई और इथियोपियाई लोगों को अदन की खाड़ी में 320 किलोमीटर की यात्रा पर ले जा रही थी, जब यह सोमवार को यमन के दक्षिणी तट पर डूब गई। इसने कहा कि तलाश के प्रयास जारी हैं और अब तक 71 लोगों को बचाया जा चुका है।यमन पूर्वी अफ्रीका और हॉर्न ऑफ अफ्रीका से काम के लिए खाड़ी देशों तक पहुंचने की कोशिश करने वाले प्रवासियों के लिए एक प्रमुख मार्ग है। आईओएम ने पिछले महीने कहा था कि यमन में लगभग एक दशक लंबे गृहयुद्ध के बावजूद, 2021 से 2023 तक सालाना आने वाले प्रवासियों की संख्या तीन गुना हो गई है, जो लगभग 27,000 से बढ़कर 90,000 से अधिक हो गई है। एजेंसी के अनुसार, वर्तमान में लगभग 380,000 प्रवासी यमन में हैं। यमन पहुंचने के लिए तस्करों द्वारा प्रवासियों को अक्सर खतरनाक, खचाखच भरी नावों पर लाल सागर या अदन की खाड़ी के पार ले जाया जाता है। अप्रैल में, यमन पहुंचने की कोशिश में जिबूती के तट पर दो जहाजों की दुर्घटना में कम से कम 62 लोगों की मौत हो गई। आईओएम ने कहा कि इस मार्ग पर कम से कम 1,860 लोग मारे गए या गायब हो गए।

न्यूयार्क में भारत के महावाणिज्य दूत ने देश की क्रिकेट टीम की मेजबानी की

न्यूयॉर्क में टी 20 विश्व कप लिए आयी हुई देश की क्रिकेट टीम की भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने मेजबानी की है। प्रधान और न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों ने कप्तान रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले दल का स्वागत किया। इस मौके पर रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे।न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने देश की क्रिकेट टीम की मेजबानी की जो यहां चल रहे टी 20 विश्व कप लिए आयी हुई है। प्रधान और न्यूयॉर्क में भारतीय प्रवासियों ने कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले दल का स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी मौजूद थे। न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने ट्वीट किया, ''न्यूयॉर्क में महावाणिज्य दूत प्रधान और भारतीय प्रवासियों ने टीम इंडिया का स्वागत किया। कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टीम के सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय प्रवासी लोगों से बातचीत की। पूरी टीम, विशेष रूप से अध्यक्ष रोजर बिन्नी,

सचिव जय शाह और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का धन्यवाद।'' इसमें लिखा गया, ''यह पहली बार है जब टीम इंडिया न्यूयॉर्क में क्रिकेट खेल रही है और पहली बार अमेरिका में विश्व कप खेल रही है। टीम इंडिया को टी20 विश्व कप के साथ घर वापस जाने के लिए चीयर कर रहे हैं।'' रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब बुधवार को टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका से खेलेगी।

डीआरएस के कारण लेग बाय के चार रन गंवाने पर हृदय ने कहा, यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था

तौहीद हृदय ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह रियाद को पगबाधा देने का मैदानी अंपायर का फैसला बुरा निर्णय था जिसके कारण उनकी टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच गंवाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका के 114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने सात विकेट पर 109 रन बनाए। न्यूयॉर्क । बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज तौहीद हृदय ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज महमूदुल्लाह रियाद को पगबाधा देने का मैदानी अंपायर का फैसला बुरा निर्णय था जिसके कारण उनकी टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच गंवाना पड़ा। डीआरएस का सहारा लेने पर इस फैसले को बदल दिया गया। दक्षिण अफ्रीका के 114 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने सात विकेट पर 109 रन बनाए। आईसीसी के एक विवादास्पद नियम के कारण बांग्लादेश ने लेग बाय के चार रन गंवाए जब ओटनील बार्टमैन की गेंद पर अंपायर सैम नोगास्की ने महमूदुल्लाह को पगबाधा आउट दिया। गेंद

बाउंड्री के पार चली गई लेकिन महमूदुल्लाह के डीआरएस लेने के कारण इसे 'डेड' (जिस पर रन नहीं बन सकते) माना गया। महमूदुल्लाह तो नॉटआउट करार दिए गए लेकिन बांग्लादेश ने चार रन गंवा दिए। आईसीसी के नियमों के अनुसार अगर मैदानी अंपायर बल्लेबाज को पगबाधा आउट देता है तो तीसरे अंपायर द्वारा फैसला पलटने की स्थिति में भी कोई अतिरिक्त रन (लेग बाय या बाय) नहीं मिलेगा। बांग्लादेश को नहीं मिले चार रन के बारे में पूछने पर हृदय ने कहा, ''असल में ईमानदारी से कहूं तो यह एक अच्छा फैसला नहीं था। यह एक कड़ा मुकाबला था। मेरे दृष्टिकोण से, अंपायर ने आउट दिया, लेकिन यह हमारे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि उन चार रन से मैच का परिदृश्य बदल जाता।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मेरे पास इसके बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।'' हालांकि 23 वर्षीय हृदय ने इस सवाल को टाल दिया कि वह नियम से सहमत हैं या नहीं। हृदय ने कहा, ''देखिए, नियम आईसीसी ने बनाए हैं जो मेरे हाथ में नहीं है लेकिन उस समय वे चार रन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थे। मुझे लगता है कि अंपायर ने फैसला सुनाया है और अंपायर फैसला सुना सकते हैं। वे भी इंसान हैं और उनसे गलती हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमें दो–तीन और वाइड मिलने चाहिए थे जिन्हें नहीं दिया गया। इसलिए इस तरह के मैच में, जहां कम स्कोर वाले मैच में मुश्किल से रन बनते हैं, वहां एक या दो रन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।'' इस बल्लेबाज ने कहा, ''इसलिए मुझे लगता है कि वे चार रन या दो वाइड रन करीबी फैसले थे। यहां तक घ्कि मेरा आउट भी अंपायर कॉल था। इसलिए मुझे लगता है कि इन क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश है।''

अमेरिका के खिलाफ बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ बुधवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलेंगे। इस दौरान भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करके आगे के कड़े मैचों के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगी। भारत के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज अमेरिका के खिलाफ बुधवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में टी20 विश्व कप का मुकाबला खेलेंगे। इस दौरान भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन करके आगे के कड़े मैचों के लिए लय हासिल करने की कोशिश करेंगी।अमेरिका की टीम भले ही अनुभवहीन है लेकिन उसने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और भारत उसे किसी भी तरह से कम आंकने की कोशिश नहीं करेगा। भारत के कितने भी अंक हों उसे अगले चरण के लिए ए1 के रूप में वर्गीकृत किया गया है और वह अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज करके सुपर 8 में अपनी जगह सुनिश्चित करना चाहेगा। नासाउ काउंटी मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं रही है लेकिन भारतीय बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ अपने प्रदर्शन को दोहराने से बचना चाहेंगे जब टीम ने 30 रन के अंदर अपने अंतिम सात विकेट गंवा दिए थे। अमेरिका के

खिलाफ ढीला रवैया भारत को भारी पड़ सकता है क्योंकि यह टीम पहले पाकिस्तान को भी हरा चुकी है।बता दें कि, अमेरिका की टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका भारत की तरफ से खेलने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। इनमें सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी टीम की तरफ से अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पिच के व्यवहार ने भले ही टीमों के बीच अंतर को कम कर दिया है लेकिन अमेरिका के लिए भारतीय टीम से पार पाना आसान नहीं होगा। अमेरिका की टीम दूसरी भारतीय टीम की तरह नजर आती है क्योंकि उसमें भारतीय मूल के आठ खिलाड़ी हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी मूल के दो तथा वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का एक खिलाड़ी उसकी टीम का हिस्सा है। पाकिस्तान पर सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद अमेरिका के खिलाड़ियों की खास चर्चा नहीं है लेकिन भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उन्हें क्रिकेट जगत में पहचान दिला सकता है। मोनंक पटेल, हरमीत, नेत्रवलकर, जेसी सिंह और नोशतुश केंजीगे की भारत से जुड़ी अपनी–अपनी कहानी हैं लेकिन जब सामने रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी हों तो मुकाबला आकर्षक होना लाजमी है। कोहली और रोहित जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना या बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना करने का मौका हमेशा नहीं मिलता है और ऐसे में अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए यह यादगार मौका होगा। भारतीय टीम टॉस जीतने पर निश्चित तौर पर पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। अगर भारत पहले गेंदबाजी करता है तो फिर बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के सामने अमेरिका के लिए तिहरे अंक में पहुंचना भी मुश्किल होगा।पिछले मैच में शिवम दुबे भारत की कमजोर कड़ी साबित हुए थे। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाला यह आक्रामक बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में नाकाम रहा है। ऐसे में दुबे के लिए टीम में जगह बनाए रखना आसान नहीं होगा क्योंकि यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव जैसे कलाई के स्पिनरों को भी सुपर आठ से पहले मौका मिलना चाहिए। ऐसे में दुबे की जगह इन दोनों में से किसी एक को मौका मिल सकता है।टीम इस प्रकार हैंरू

भारतरू रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज। मेरिकारू मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 18 जून से पहली बार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड का सामना करेगी। सात मैचों की यह श्रृंखला डर्बी के काउंटी ग्राउंड से शुरू होगी और उसके बाद मुकाबले नॉर्थम्पटनशर, वारविकशर और लीसेस्टरशर में खेले जाएंगे।नई दिल्ली। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम 18 जून से पहली बार द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड का सामना करेगी। सात मैचों की यह श्रृंखला डर्बी के काउंटी ग्राउंड से शुरू होगी और उसके बाद मुकाबले नॉर्थम्पटनशर, वारविकशर और लीसेस्टरशर में खेले जाएंगे। श्रृंखला 27 जून को लीसेस्टरशर में संपन्न होगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव, आईएएस राजेश अग्रवाल ने कहा, ''मैं भारतीय बधिर क्रिकेट टीम का समर्थन करते हुए रोमांचित हूं जो इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला खेल रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''यह ऐतिहासिक श्रृंखला ना केवल हमारे खिलाड़ियों की असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित करती है, बल्कि खेलों में समावेशिता के महत्व को भी दर्शाती है।'' अखिल भारतीय पुरुष चयन समिति ने श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम चुनी है और इसकी कप्तानी वीरेंद्र सिंह करेंगे। टीम 14 जून तक यहां ट्रेनिंग करेगी और 15 जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। इस श्रृंखला का आयोजन इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की दिव्यांगता समिति द्वारा किया जा रहा है जो देश में इस खेल की संचालन संस्था है।

पाकिस्तान के खिलाफ अक्षर पटेल की प्लानिंग आई काम, चहल टीवी पर खुद किया खुलासा

न्यूयॉर्क के नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में 120 रनों के बेहद कम लक्ष्य का बचाव करना था। चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीम पाकिस्तान के इमाद वसीम और शादाब खान क्रीज पर थे और पाकिस्तान को जीत के लिए 5 ओवरों में महज 27 रन की जरूरत थी। इस दौरान अक्षर पटेल ने 16वां ओवर इमाद को डाला और महज 2 रन ही दिए।भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 में मुकाबले में भारत की बेहतरीन जीत हुई। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के खिालफ टी20 वर्ल्ड कप में एक और जीत दर्ज कर रिकॉर्ड को बरकरार रखा है। कम स्कोर वाले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने आगे बढ़कर अहम भूमिका निभाई। मुकाबले में ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावी प्रदर्शन किया। उधर, न्यूयॉर्क में युजवेंद्र चहल का चहल टीवी भी लौट आया है। वहीं इस दौरान अक्षर पटेल, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज ने यहां अपना गेम प्लान बताया। भारतीय टीम को न्यूयॉर्क के नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में 120 रनों के बेहद कम लक्ष्य का बचाव करना था। चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीम पाकिस्तान के इमाद वसीम और शादाब खान क्रीज पर थे और पाकिस्तान को जीत के लिए 5 ओवरों में महज 27 रन की जरूरत थी। इस दौरान अक्षर पटेल ने 16वां ओवर इमाद को डाला और महज 2 रन ही दिए। अक्षर पटेल ने इसके पीछे का प्लान बताते हुए कहा कि, प्लान यही था कि उसकी रेंज में नहीं देना है। मुझे मिड विकेट पर छक्का नहीं खाना है, क्योंकि हवा भी उधर ही चल रही थी। मैंने कप्तान रोहित भाई के साथ बात की कि, मैं कट पर गेंद डालूंगा और मुझे दो फील्डर प्वाइंट पर दे दो। और पीछे स्वीपर वाला भी कट के अंदर रखना। अगर वो मुझे कट पर या कवर पर चौका मार गया तो ठीक है। क्योंकि वह बहुत मुश्किल शॉट है और यही प्लान अच्छा गया

भारत–पाकिस्तान मैच को लेकर वीडियो बना रहे यूट्यूबर की गोली मारकर हत्या, पाकिस्तान के कराची की है घटना

साद अहमद नाम के एक यूट्यूबर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स में बताया गया कि यूट्यूबर भारत और पाकिस्तान मुकाबले के दौरान लोगों के इंटरव्यू लेने कराची की गलियों में गया, जहां एक मोबाइल शॉप के बॉडीगार्ड ने उसे गोली मार दी।टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रविवार 9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच एक हाई वोल्टेज मुकाबला खेला गया। जिसे भारत ने 6 रन से जीत लिया। वहीं इस मुकाबले को लेकर दोनों देशों के फैंस के बीच माहौल गर्मजोशी वाला था। वहीं इस बीच पाकिस्तान में एक बड़ी घटना घटी। दरअसल, पाकिस्तान के कराची शहर में मैच की ब्लॉगिंग करने वाले एक यूट्यूबर को सरेआम गोली मार दी गई। जहां उसकी मौत हो गई। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि साद अहमद नाम के एक यूट्यूबर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स में बताया गया कि यूट्यूबर भारत और पाकिस्तान मुकाबले के दौरान लोगों के इंटरव्यू लेने कराची की गलियों में गया, जहां एक मोबाइल शॉप के बॉडीगार्ड ने उसे गोली मार दी। बताया जा रहा है कि, यूट्यूबर के बार–बार सवाल पूछने के चलते सुरक्षा गार्ड ने अपना आपा खो दिया और आखिर में यूट्यूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई।

रोजाना खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से मिल सकते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

खाने में तो लहसुन का स्वाद कई लोग पसंद करते हैं, लेकिन कच्चे लहसुन की सुगंध से ही नाक–मुंह सिकोड़ने लगते हैं।हालांकि, अगर आप रोजाना खाली पेट कच्चे लहसुन की 1–2 कली खाते हैं तो इससे फाइबर, मैंगनीज, विटामिन–सी, सेलेनियम, कैल्शियम, कॉपर, फास्फोरस, आयरन विटामिन–बी1, विटामिन–बी6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व मिल सकते हैं।ये पोषक तत्व कई स्वास्थ्य स्थितियों का प्राकृतिक उपचार करने समेत कई लाभ प्रदान कर सकते हैं।

हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में है सहायक

अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट महज एक लहसुन की कली खाते हैं तो इससे शरीर में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (हानिकारक कोलेस्ट्रॉल) के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है।साथ ही इसमें मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट में कार्डियोडिप्रेसेंट (ब्लड प्रेशर को कम करने वाला) और वैसोडिलेटर (हृदय की धमनियों में रूकावट को दूर करने वाला) प्रभाव मौजूद होते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

इम्यूनिटी को मजबूती प्रदान में है कारगर

खाली पेट कच्चे लहसुन का सेवन करने से शरीर को संक्रमण और बीमारियों से सुरक्षित रखने वाली प्राकृतिक क्षमता यानी इम्यूनिटी को भी मजबूती मिल सकती है।इसका कारण है कि कच्चा लहसुन एंटी–ऑक्सीडेंट्स और सल्फर युक्त होता है और ये यौगिक मुक्त कणों से लड़कर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में भी कारगर हो सकते हैं।यहां जानिए इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाले अन्य स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ।

वजन को कर सकता है नियंत्रित

कच्चे लहसुन की एक कली खाने मात्र से शरीर से अतिरिक्त चर्बी को दूर करने में मदद मिल सकती है।इसमें फाइबर के साथ–साथ एंटी–ओबेसिटी गुण मौजूद होते हैं, जो अनहेल्दी खाने की लालसा को कम करके वजन घटाने में सहयोग प्रदान कर सकता है।इसके अलावा इनका सेवन शरीर में गर्मी भी पैदा करता है, जिससे फैट बर्न करने में मदद मिलती है। साथ ही यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में भी प्रभावी माना जाता है।

पेट के अल्सर से बचाव करने में मददगार

पेट में एसिड का उच्च स्तर, अधिक तनाव और धूम्रपान आदि के कारण पेट में अल्सर हो सकता है।कच्चे लहसुन में मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी पेट में अल्सर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

गर्मी के दिनों में पीएं ठंडा–ठंडा मौसंबी का जूस, मिलेंगे ये 5 मुख्य फायदे

मौसंबी का जूस गर्मी में जूस की दुकानों पर मिलने वाला सबसे लोकप्रिय पेय है। यह मौसंबी फल के खट्टे स्वाद और चीनी की मिठास का एक अद्भुत संयोजन होता है, जिसे पीने से ताजगी मिलती है।इस पेय में कई तरह के लाभ भी छिपे होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं। इस जूस को अपनी डाइट में शामिल करने से आप शरीर को डिटॉक्सीफाई भी कर सकेंगे।आइए जानते हैं मौसंबी जूस के सेवन के फायदे।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

मौसंबी का जूस एक कम कैलोरी वाला पेय है, जिसमें अच्छी मात्रा में फाइबर और अन्य पोषक तत्व होते हैं। इस स्वादिष्ट जूस के सेवन से वजन घटाने में मदद मिलती है।अगर आप स्वस्थ खान–पान के जरिए अपना वजन कम करना चाहते हैं तो इसे आहार का हिस्सा बनाएं। मौसंबी के जूस का सेवन तृप्ति की भावना को बढ़ाने और भूख को रोकने में मदद कर सकता है।आप स्ट्रॉबेरी का जूस पीकर भी कई लाभ पा सकते हैं।

दिल का स्वास्थ्य होता है दुरुस्त

मौसंबी के जूस का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। साथ ही इससे हृदय स्वास्थ्य को दुरुस्त करने में भी मदद मिल सकती है।मौसंबी के जूस में एंटीऑक्सिडेंट और पोषक तत्व होते हैं, जो रक्तचाप के स्तर और हृदय रोगों के लक्षणों को कम करते हैं। रोजाना एक गिलास मौसंबी का जूस पीने से आप स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी परेशानियों से भी बच सकते हैं।

शरीर होता है डिटॉक्सीफाई

मौसंबी का जूस भी शरीर को डिटॉक्स करने के लिए एक बेहतरीन पेय होता है। यह सुबह के वक्त पीने के लिए बिलकुल सही पेय है, जो हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बेअसर करने में मदद करता है।साथ ही इसके सेवन से तनाव भी कम किया जा सकता है। सुबह सबसे पहले मौसंबी का जूस पीने से मूड और ऊर्जा के स्तर को भी बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

हाइड्रेशन

इस भीषण गर्मी के बीच धूप के कारण हमारा शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। इसके चलते चक्कर आना, बेहोशी आना और बेचैनी आने जैसी परेशानियां हो सकती हैं।मौसंबी के जूस में अच्छी मात्रा में पानी मौजूद होता है, जो शरीर को प्राकृतिक हाइड्रेशन प्रदान करता है। इस लजीज पेय को पीने से आपको निर्जलीकरण और गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचने में भी सहायता मिलेगी।आपको बेल का जूस पीने से भी कई लाभ मिल सकते हैं।

बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

मौसंबी का जूस पीने से शरीर को अच्छी मात्रा में विटामिन– सी और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। इन तत्वों के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।इसके अलावा, इस पेय में मौजूद फ्लेवोनोइड्स मुक्त कणों के कारण होने वाली सूजन को भी रोकते हैं। मौसंबी के जूस में मौजूद विटामिन सी बीमारियों से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर हमें स्वस्थ रखता है।वजन घटाने के लिए सब्जियों से बने जूस का सेवन करें।

रोहित सराफ की इश्क विश्क रिबाउंड का ट्रेलर जारी, तीन अच्छे दोस्तों की दो प्रेमकहानियों के बीच उलझी है

कहते हैं, जब प्यार हो जाए तो सब में उसी का चेहरा दिखता है। इश्क विश्क रिबाउंड का ट्रेलर इसी एक लाइन शुरू होता है और दर्शकों पर अपनी अमिट छाप भी छोड़ देता है। इश्क विश्क रिबाउंड का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में पश्मीना रोशन, रोहित सराफ, नैला ग्रेवाल और जिबरान खान मुख्य भूमिका में हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म का शीर्षक है, इश्क विश्क रिबाउंड, जिसमें रिबाउंड का मतलब है किसी मुश्किल ब्रेकअप के बाद किसी के साथ रिश्ता बनाना। ट्रेलर में दिखाया गया है कि पश्मीना रोशन और रोहित सराफ करीबी दोस्त हैं, जो अपने–अपने पार्टनर से अलग हो जाते हैं और बाद में उन्हें एहसास होता है कि वे सच में एक–दूसरे के प्रति आकर्षित हैं।फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा, तीन सबसे अच्छे दोस्तों, 2 रिश्तों, 2 ब्रेकअप और सामने आने वाली उलझनों के सफर का अनुभव करें। देखें

कि जब रोमांस की चिंगारी निकलती है तो रिश्ते कैसे बदलते हैं। आप यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या एक्स वाकई दोस्त बने रह सकते हैं? ऐसे दौर में जब लेबल कम मायने रखते हैं, इश्क विश्क रिबाउंड आप सब से पूछता है। रिश्ते को क्या परिभाषित करता है? रिश्ते को नाम देना जरूरी है क्या? फैंस फिल्म के ट्रेलर को देख कर काफी उत्साहित हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, रोहित भाई की एक और धमाकेदार फिल्म। अब इसकी रिलीज का इंतजार है। दूसरे यूजर ने लिखा, रोहित और पश्मीना एक और हिट के लिए तैयार हैं। दोनों को ढेरों शुभकामनाएं। एक और यूजर ने लिखा, ट्रेलर तो गजब का है। अब बस फिल्म का इंतजार है। रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्देशित, इश्क विश्क रिबाउंड को निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने निर्देशित किया है। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म कुड़ी हरियाणे वल दी का ट्रेलर जारी, पंजाबी और हरियाणवी भाषा में होगी रिलीज

एमी विर्क पिछले कुछ दिनों से अपनी आगामी फिल्म कुड़ी हरियाणे वल दी को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी जोड़ी एक बार फिर सोनम बाजवा के साथ बनी है।यह फिल्म दो–दो नामों के साथ रिलीज होने जा रही है। पंजाबी में फिल्म का नाम राजस्थान, यूपी और एमपी में रहने वाले पूरे जाट दर्शकों को आकर्षित कर रही है जो पंजाबी सिनेमा के लिए अपनी तरह की पहली फिल्म है। फिल्म में सोनम बाजवा एक हरियाणवी जाटनी का किरदार निभा रही हैं, जो पंजाबी सिनेमा की किसी भी

कुड़ी हरियाणे वल दी है। फिल्म का हरियाणवी शीर्षक छोरी हरियाणे आली है।अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है।फिल्म में सोनम पहली बार एक जाटनी का किरदार निभा रही हैं और पूरी फिल्म में हरियाणवी बोल रही हैं, जबकि एमी पंजाबी बोलने वाले एक देसी जट्ट का किरदार निभा रहे हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई पंजाबी फिल्म दो–दो नामों के साथ रिलीज होने जा रही है।फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठ चुका है। यह फिल्म 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।यह जट्ट और जाटनी फिल्म अपनी तरह की पहली फिल्म है जो पंजाबी सिनेमा की सीमाओं को पार करते हुए न केवल पंजाब में बल्कि हरियाणा, दिल्ली, प्रमुख महिला ने पहले नहीं किया है और उत्तर भारत में उनकी बड़ी अपील उन्हें हर जगह से जोड़ देगी। एमी विर्क समर बोनान्जा में प्यारे देसी जट्ट हैं, और इस फिल्म में अजय हुड्डा, योगराज सिंह, यशपाल शर्मा, हरदीप गिल, हनी मट्टू, दीदार गिल जैसे पंजाब और हरियाणवी अभिनेताओं की शानदार कास्ट शामिल है। यह फिल्म राकेश धवन द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है, जो मेगा ब्लॉकबस्टर पंजाबी फिल्मों हौंसला रख, चल मेरा पुत्त सीरीज के लेखक और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित सुपरहिट फजा मैक्सिको चलो के निर्देशक हैं। फिल्म का निर्माण पवन गिल, अमन गिल और सनी गिल ने किया है, जो ब्लॉकबस्टर पंजाबी एंटरटेनर शादा और पुआदा के निर्माता हैं, और उनकी कंपनी रामारा फिल्म्स के तहत प्रस्तुत की गई है।

रियलिटी शो बिग बास ओटीटी 3 का टीजर जारी, 21 जून से जियो सिनेमा पर होगा प्रीमियर

रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी के तीसरे सीजन का दर्शक पिछले कुछ समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।बिग बॉस ओटीटी 3 की मेजबानी सलमान नहीं, बल्कि अनिल कपूर करने वाले हैं। पहले दोनों सीजन को सलमान ने होस्ट किया था।अब निर्माताओं ने बिग बॉस ओटीटी 3 का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें अनिल की झलक साफ दिख रही है।टीजर में उनकी दमदार आवाज सुनने को मिल रही है।बिग बॉस ओटीटी 3 का प्रीमियर 21 जून से जियो सिनेमा पर रात 9 बजे से होने जा रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने टीजर साझा करते हुए लिखा, मौसम बदलेगा, तापमान बदलेगा। अनिल कपूर के आने से अब सब बदलेगा। हमारे होस्ट अनिल कपूर के साथ बिग बॉस ओटीटी 3के इस खास सीजन के लिए तैयार हो जाइए।पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बिग बॉस ओटीटी 3 में नजर आने वाली हस्तियों को लेकर अटकलें चल रही हैं।वहीं इस शो को लेकर अनिल कपूर ने भी अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा कि, बिग बॉस ओटीटी और मैं एक ड्रीम टीम हैं. हम दोनों दिल से जवान हैं, लोग अक्सर कहते हैं मजाक में कि मैं रिवर्स एजिंग हूं, लेकिन बिग बॉस में ये खूबी है. ऐसा महसूस होता है जैसे स्कूल वापस जाना, कुछ नया और मजेदार ट्राई करना. मैं बिग

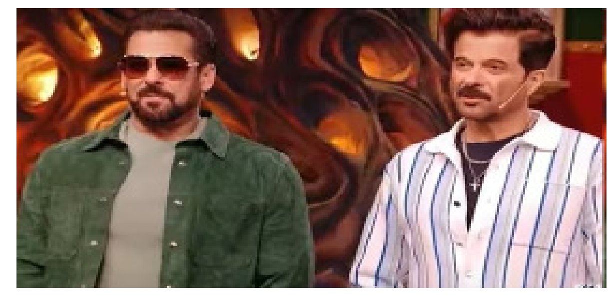

बॉस में उसी एनर्जी को 10 गुना ज्यादा लाने जा रहा हूं. मैं इसमें अपना स्वाद लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता. इस शो में जाने वाले कई कंटेस्टेंट के नाम सामने आ रहे हैं. जिनमें रियाज अली, शिवांगी जोशी, शफक नाज, दलजीत कौर, वायरल वडापाव गर्ल चंद्रिका, यूट्यूबर जैन सैफी, विक्की जैन और अदनान शेख शामिल हैं. इसके अलावा कृति सेनन की बहन नुपूर सेनन त्रिशाला दत्त, अहाना देओल, मिथुन चक्रवर्ती के बेटे उष्मेय चक्रवर्ती और तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम भव्या गांधी के नाम को लेकर भी चर्चा चल रही हैं. हालांकि इस बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है.

श्वेता तिवारी ने 43 की उम्र में फैंस के बीच शेयर किया समर लुक, एक्ट्रेस की हाटनेस देख यूजर्स हुए घायल

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनकी हर एक फोटोज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट समर लुक में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही सेक्सी और स्टनिंग नजर आ रही हैं। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट समर लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका क्यूट लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर दिल हार जाते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

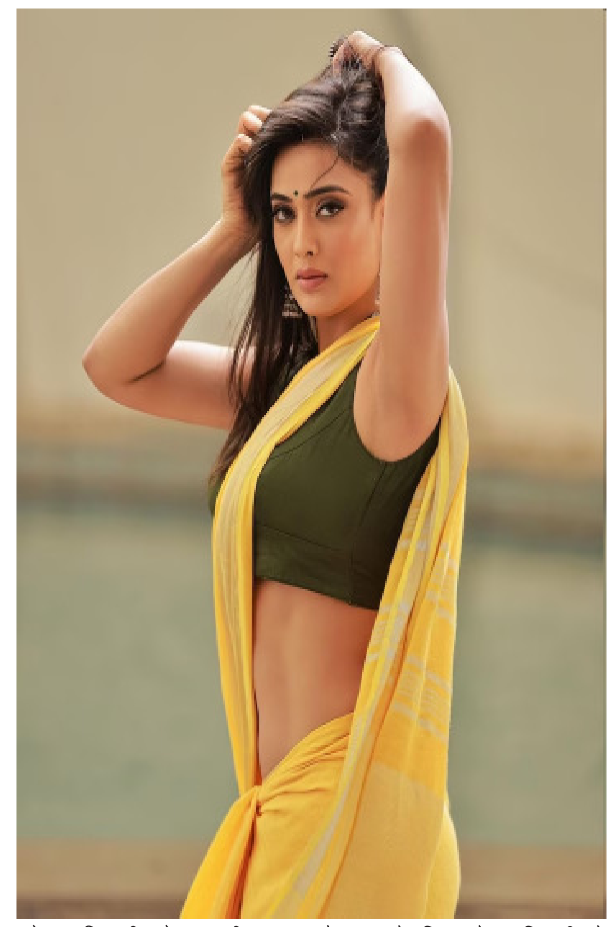

श्वेता तिवारी ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए कैमरे के सामने खूबसूरत अंदाज में स्माइल देते हुए पोज दिए हैं।ब्लैक एंड व्हाइट फ्लोरल लुक में शॉर्ट ड्रेस पहनकर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का समर लुक लोग उनके स्टाइल की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।बता दें कि, श्वेता तिवारी ने 43 साल की उम्र में भी खुद को काफी मेंटेन कर के रखा हुआ है। हालांकि श्वेता तिवारी के चाहने वाले उन्हें उनकी बेटी पलक की बहन बताते हैं।श्वेता तिवारी इंस्टाग्राम पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। उन्होंने खुद की तरह, अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी मेनटेन किया हुआ है।

हमारे बाहर को मिली नई रिलीज तारीख, अब 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता अन्नू कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हमारे बारह को लेकर सुर्खियों में हैं। हालांकि, यह फिल्म पिछले कुछ दिनों से विवादों में घिरी हुई है।निर्माताओं पर आरोप है कि वह इस फिल्म के जरिए महिलाओं की खराब छवि पेश कर रहे हैं।हमारे बारह पहले 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब इस फिल्म की नई रिलीज तारीख पर्दा उठ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, हमारे बारह अब 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बता दें, हाईकोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी थी, जिसके बाद निर्माताओं ने फिल्म से खुद ही 2 डॉयलॉग को डिलीट करने पर सहमति

जताई।राहुल बग्गा, अदिति भतपेहरी, अंकिता द्विवेदी, अदिति धीमान, शगुन मिश्रा, इश्लिन प्रसाद, कृतिका खेड़ा और रूबल जैन जैसे सितारे भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे।बॉक्स ऑफिस पर हमारे बाहर का सामना अब कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चौंपियन से होगा। यह फिल्म भी 14 जून को सिनेमाघरों का रुख करेगी।कार्तिक ने इस फिल्म के लिए खूब मेहनत की है। फिल्म के लिए उन्होंने कई किलो वजन घटाया और खान–पान में भी कई बदलाव किए है।चंदू चौंपियन की कहानी भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है।मुंज्या और मिस्टर एंड मिसेज माही भी सिनेमाघरों में लगी हुई हैं।

बाक्स आफिस पर फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में गिरावट जारी, लाखों में सिमटा कारोबार

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है।रूही के बाद यह जाह्नवी–राजकुमार के बीच दूसरा सहयोग है और दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अब दूसरे सप्ताह में मिस्टर एंड मिसेज माही की दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं मिस्टर एंड मिसेज ने 11वें दिन कितने लाख रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को 90 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 30.8 करोड़ रुपये हो गया है।शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड

जननी–एआई की कहानी में रोबोट की तरह एक्ट करना चैलेंजिंग था – आशिका भाटिया

टीवी की सबसे हाई प्रोफाइल एक्ट्रेस में से एक आशिका भाटिया जननी–एआई की कहानी शो में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताया कि उनके लिए एआई रोबोट की तरह एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था।शो में आशिका चांदनी के रोल में नजर आएंगी।

आशिका ने कहा, मेरे किरदार का नाम चांदनी है। मैं एआई रोबोट हूं, जो इंसानों की तरह लगती है। मेरे लिए रोबोट का एक्ट करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी ऐसा रोल नहीं किया था, इसलिए मैं इस खास मौके का फायदा उठाना चाहती थी।

उन्होंने कहा, खास तौर पर चलते हुए किसी शो में आपको किसी ऐसे व्यक्ति की तरह बर्ताव करना होता है जो पहले से ही सीरीज में है। मेरे लिए किसी और की नकल करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया।

जननी– एआई की कहानी इरा के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक वैज्ञानिक से मां बनी है। वह घातक बीमारी से अपनी बेटी की जान बचाने के लिए एआई रोबोट का आविष्कार करती है।

एमएजे प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, जननी–एआई की कहानी दंगल टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आशिका को पिछली बार एंड टीवी पर वाणी रानी शो में देखा गया था। उन्होंने छोटे पर्दे पर मीरा शो में डेब्यू किया था। वह परवरिश – कुछ खट्टी कुछ मीठी में गुणवंत कौर अहलूवालिया के किरदार में नजर आईं।

इसके अलावा, उन्होंने 2015 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान की छोटी बहन का किरदार भी निभाया।आशिका ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स के रूप में एंट्री की, लेकिन कुछ ही हफ्तों बाद शो से बाहर आ गईं।

भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी की बायोपिक पर चल रहा है काम, सामने आयी बड़ी जानकारी

बायोपिक्स लोगों को किसी प्रेरणादायक व्यक्तित्व के जीवन से परिचित कराने और उन्हें प्रेरित करने का एक बेहतरीन तरीका है। पिछले कुछ सालों में कई सराहनीय बायोपिक बनी हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा भी है।बायोपिक्स लोगों को किसी प्रेरणादायक व्यक्तित्व के जीवन से परिचित कराने और उन्हें प्रेरित करने का एक बेहतरीन तरीका है। पिछले कुछ सालों में कई सराहनीय बायोपिक बनी हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा भी है। जल्द ही फ्रीस्टाइल तैराकी में भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक श्चंदू चौंपियनश भी रिलीज होने वाली है, जिसमें अभिनेता कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। इसी बीच अब भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी पर भी बायोपिक बनने जा रही है।दर्शक जल्द ही किरण बेदी के जीवन को पर्दे पर देख सकेंगे। मंगलवार को फिल्म के निर्माताओं ने एक वीडियो जारी कर फिल्म की घोषणा की है। इस बायोपिक का नाम श्बेदीरू द नेम यू नो, द स्टोरी यू डोंटश रखा गया है। वीडियो लॉन्च के दौरान मीडिया से बात करते हुए खुद किरण बेदी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले भी कई बार अपने जीवन पर फिल्म बनाने का प्रस्ताव मिला है, लेकिन उन्हें लगता है कि अब सही समय है।किरण बेदी ने निर्देशक कुशाल चावला द्वारा की गई साढ़े चार साल की रिसर्च को देखने के बाद बायोपिक बनाने की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि वह अपने असाइनमेंट के लिए पांडिचेरी में थीं, जब कुशाल और उनके पिता गौरव चावला ने उनसे कहा कि वे उन पर फिल्म बनाना चाहते हैं। इस पर किरण ने कहा कि अभी यह बहुत जल्दी होगी, क्योंकि वह अभी भी काम कर रही हैं, लेकिन कुशाल और गौरव ने पहले ही बहुत होमवर्क कर लिया है, बिना यह जाने कि वह हां कहेंगी या नहीं।अगले साल रिलीज हो सकती है फिल्म जब उनसे फिल्म के बारे में पूछा गया और यह कि कौन सी अभिनेत्री उनके किरदार को बेहतर तरीके से निभा सकती है, तो उन्होंने कहा, श्यह कहना मुश्किल है, इसे निर्देशकों और निर्माताओं पर छोड़ना सबसे अच्छा होगा। इस पर एक सर्वे भी कराया जा सकता है। इससे हमारी पसंद भी बेहतर हो सकती है। किरण ने आगे कहा कि फिल्म अगले साल अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष की 50वीं वर्षगांठ पर रिलीज हो सकती है।

बाक्स आफिस पर फिल्म मुंज्या की दैनिक कमाई में गिरावट शुरू

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी फिल्म मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने महज 4 दिन में 23 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।हॉरर और कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है।वीकेंड पर खूब नोट छापने के बाद अब मुंज्या की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की गई है।

अब मुंज्या के चौथे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सोमवार को इस फिल्म ने 3.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 23 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या ने 4 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी।दूसरे दिन फिल्म ने 7.25 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 8 करोड़ रुपये कमाए।

मुंज्या में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। वरुण धवन ने भी इस फिल्म में मेहमान की भूमिका निभाई है।स?त्री और भेड़िया जैसी हॉरर कॉमेडी फिल?मों के निर्माता दिनेश विजान इस फिल्म

का निर्माण किया है।बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या का सामना राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से हो रहा है।राजकुमार की फिल्म श्रीकांत और मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी भी सिनेमाघरों में लगी हुई हैं।

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत कक्षा 01 व पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश हेतु तिथि निर्धारित

ब्यूरो अंकित वर्मा
देवरिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने बताया है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 01 व पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन एवं लाटरी हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ करने, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ चरण के सम्बन्ध में कार्य एवं तिथियां निर्धारित कर दी गई है। चतुर्थ चरण हेतु आवेदन करने की तिथि 20 जून तक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आवेदन पत्र का सत्यापन कर लाक करने की तिथि 21 से 27 जून, लाटरी निकालने की तिथि 28 जून तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालयों में प्रवेश कराये जाने की तिथि 07 जुलाई निर्धारित की गई है। प्रवेश हेतु शर्तों के विवरण में उन्होंने बताया है कि अलाभित समूह द्वारा सरकार की अधिसूचना के अनुसार अनु०जाति, अनु०जनजाति, सामाजिक एवं आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग, एच०आई०वी०, कैंसर पीड़ित माता–पिताध्अभिभावक का बच्चा, निराश्रित बेघर बच्चा, निःशक्त बच्चा तथा दुर्बल वर्ग का बच्चा तथा बी०पी०एल० वर्ग का बच्चा प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन (.तजम25नचेकब.हवअ.पद) वेबसाइट पर कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की 01 प्रति के साथ निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, वोटर आई०डी० राशन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेन्स, बैंक पास बुक आदि में से कोई एक होना चाहिये। बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विकलांग प्रमाण पत्र व आय प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी से जारी आवेदन के साथ कार्यालय में उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। बच्चा जिस विद्यालय में प्रवेश चाहता है, वह विद्यालय निवास प्रमाण पत्र में अंकित पते से 01 किलोमीटर (सम्बन्धित वार्डध्ग्राम पंचायत) की परिधि में होना चाहिये। प्रवेश हेतु शैक्षिक सत्र 2024–25 में कक्षा 01ध् पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश दिया जायेगा। आर०टी०ई० शासनादेश के अनुसार निर्धारित दिशा निर्देश के क्रम में प्रवेश की प्रक्रिया अपनाई जायेगी।

मानव तस्करी एवं बाल विवाह रोकने हेतु आगे आए समाज–अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश

ब्यूरो अंकित वर्मा
देवरिया। जनपद न्यायाधीश देवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 107 के अन्तर्गत गठित विशेष किशोर पुलिस इकाई व ए.एच.टी.यू0 की मासिक बैठक रिजर्व पुलिस लाईन के प्रेक्षा गृह में कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरियाध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा किया गया। प्रत्येक माह में होने वाले जनपद में किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 107 के अन्तर्गत गठित विशेष किशोर पुलिस इकाई व ए.एच.टी.यू0 की मासिक बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा कहा गया कि बालकों के हितों के लिए सर्वोत्तम दृष्टिकोण अपनाते हुये समुचित देखरेख, संरक्षा, विकास, उपचार तथा समाज से पुनः मिलाने के माध्यम से उनको प्रोत्साहित किया जायें। उन्होंने कहा कि आज मानव तस्करी एक व्यापार का भयावह रूप लेते जा रहा हैं, बच्चों को अपहरण कर उससे भीख मॅगवाया जा रहा हैं तथा होटलों में कार्य करवाया जा रहा हैं जो बहुत ही निंदनीय हैं ऐसे घिनौने कार्यो के रोकथाम हेतु पुलिस विभाग को सख्ती से निपटने की जिम्मेदारियॉ दी गयी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि ऐसे घिनौने कार्य समाज को अपराध की ओर ले जाने का कार्य करता हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे बालक जो लावारिस या अनाथ हैं उनकी सभी तरह की आवश्यकताओं की पूर्ति की जाये तथा उनके मूलभूत मानव अधिकारों की पूर्णतया संरक्षा की जाए तथा भीख मॉगने की प्रवृत्ति को रोकने पर बल दिया जाए। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन तथा भीड़–भाड़ वाले जगहों पर सहायता केन्द्र स्थापित किये जाये जिससे इस तरह के बच्चों की सहायता की जा सकें। बाल–विवाह जैसे गंभीर अपराधों को रोकने के लिए ग्रामीण स्तर, ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिले स्तर पर व्यापक प्रचार–प्रसार के माध्यम से आमजनमानस को जागरूक किया जायें। बच्चों के सुरक्षा, शिक्षा एवं सहायता पर विशेष ध्यान देते हेतु निर्देशित किया गया। ऐसे बालक जो मानसिक रूप से बीमार या शारीरिक रूप से असुविधाग्रस्त हैं अथवा असाध्य रोग से पीड़ित हैं, जिसकी सहायता या देखभाल करने वाला कोई नहीं या जिसके माता–पिता या संरक्षक नहीं हैं ऐसे बालकों को उनकी देखभाल करने की पूरी व्यवस्था की जायें। न्यायाधीश द्वारा बालकों की सुरक्षा एवं सहायता हेतु समाज को एक साथ आगे आने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपर पुलिस अधीक्षक बाल संरक्षण अधिकारी ए0एच0टी0यू0 प्रभारी सी0डब्ल्यूसी0, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य वन स्टाप सेंटर प्रबंधक नीतू भारती एवं मनोवैज्ञानिक मीनू जायसवाल तथा जिले के समस्त निरीक्षकध्उपनिरीक्षक थानों के थानाध्यक्ष, पुरूष एवं महिला आरक्षी उपस्थित रहें।

यूपी में पर्यटकों की संख्या का पहली बार किया जा रहा है सर्वे

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन विभाग की तरफ से पर्यटकों की संख्या की गणना का कार्य शुरू हो गया है। पर्यटक स्थलों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए ये जानकारी आवश्यक है जिसका फायदा पर्यटन और होटल इंडस्ट्री दोनों को हो सकता है। कुंभ नगरी प्रयागराज को भी इसमें शामिल किया गया है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय और उप्र सरकार के संयुक्त तत्वाधान में पहली बार प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थित महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर देश–विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या का वास्तविक आकलन कराने के लिए सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे की जिम्मेदारी नई दिल्ली की संस्था ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट को सौंपी गई है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता के मुताबिक सर्वे का काम दो चरणों में कराया जा रहा है। पहले चरण का सर्वे एक जून से 30 जून तक चलेगा। जबकि दूसरे चरण का सर्वे एक साल तक चलेगा। जो एक अगस्त 2024 से शुरू होकर 31 जुलाई 2025 तक चलेगा।इसमें पर्यटन विभाग उ०प्र० एवं नियोजन विभाग के द्वारा उत्तर प्रदेश में पहली बार पर्यटन उद्योग, होटल्स, रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, लॉज, गेस्ट हाउस, होम स्टे, पेइंग गेस्ट एवं ढाबें इत्यादि का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में योगदान की जानकारी के लिए वृहद् सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इसमें जनपद के समस्त महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल (टिकटेड एवं नॉन–टिकटेड), एक्जिट प्वांइट (रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, हवाई अड्डा) एवं होटल्स, रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, लॉज, गेस्ट हाउस, होम स्टे, पेइंग गेस्ट एवं ढाबें इत्यादि विश्राम स्थलों में आने वाले घरेलू पर्यटक एवं विदेशी पर्यटकों की सांख्यिकी की गणना की जा रही है।

यूपी में हो रहे इस सर्वे में प्रदेश के सभी 75 जिलों के स्थलों को शामिल किया गया है जिसमें कुंभ नगरी प्रयागराज भी शामिल है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि जनपद के दस पर्यटन स्थलों को इसके लिए चुना गया है। सर्वे का कार्य एक जून से शुरू हो चुका है। सर्वे के कार्य के लिए एक सुपरवाइजर सहित दस सर्वेयरों लगाया गया है। चयनित स्थलों में ललिता देवी मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर, कल्याणी देवी मंदिर, नागवासुकि मंदिर, लेटे हुए हनुमानजी का मंदिर, सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन, शंकर विमान मंडपम, मनकामेश्वर मंदिर, चंद्रशेखर आजाद पार्क व आनंद भवन शामिल हैं।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगरों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

ब्यूरो अंकित वर्मा
देवरिया। उपायुक्त उद्योग खुशबू सिंह ने बताया है कि उ०प्र० सरकार द्वारा प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों तथा पारस्परिक कारीगरों के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु जनपद के विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत ट्रेड बढई, नाई, दर्जी, लोहार राजमिस्त्री, हलवाई धोबी हेतु 775 का लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं। योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगर जैसे बढई, नाई, दर्जी लोहार राजमिस्त्री, हलवाई धोबी के आजिविका के साधनो को सुदृढ़ीकरण करते हुए उनके जीवनस्तर को उन्नत किया जाना है। योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगरों को उद्यम के आधार पर कौशल वृद्धि प्रशिक्षण प्रदान किया जाना हैं।
इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र विभागीय बेबसाइट पर .कपनचउेउम.नचेके.हवअ.पद पर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का चयन करते हुए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र आनलाइन करने की अन्तिम तिथि 10 जुलाई तक निर्धारित की जाती हैं। उक्त योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र देवरिया नगर से किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता हैं। आनलाइन आवेदन हेतु आवेदक जनपद का मूल निवासी होना चाहिए एवं न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना चाहिए तथा पूर्व में किसी योजना में लाभार्थी नही होना चाहिए। परिवार का एक ही सदस्य याजना में पात्र होगा (परिवार का आशय पति एवं पत्नी से है।) आवश्यक दस्तावेज में पासपोर्ट आकार का फोटो, हस्ताक्षर, अगूठे का निशान, बैंक पासबुक, परम्परागत कारीगरी से जुड़े होने का प्रमाण पत्र (ग्राम प्रधान ध् अध्यक्ष नगर पंचायत अथवा नगर पालिका के वार्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

मुक्त विश्वविद्यालय में 166 केंद्रों पर 80 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

11 जून से 16 जुलाई तक दो पालियों में होंगी परीक्षाएं

4 केंद्रीय कारागार में भी बनाए गए परीक्षा केंद्र

प्रयागराज(आरएनएस)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2024 की परीक्षाएं प्रदेश के 166 केंद्रों पर मंगलवार 11 जून 2024 से प्रारंभ हो रही हैं। इन परीक्षा केंद्रों में 4 केंद्रीय कारागार भी शामिल हैं । परीक्षा में लगभग 80 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि परीक्षाएं 16 जुलाई तक संचालित की जाएंगी। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए वेबसाइट पर समय सारणी अपलोड की गई है।उन्होंने बताया कि प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा पीजी डिप्लोम आदि की परीक्षाएं 11 जून से 15 जून तक तथा स्नातक, परास्नातक तथा शेष परीक्षाएं 18 जून से 16 जुलाई तक 2 पालियों में प्रातः 10रू00 से 1रू00 तथा दोपहर 2रू00 से 5रू00 बजे तक आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि सभी विषयों के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। जिन्हें डाउनलोड कर परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि गोरखपुर रीजन में सबसे अधिक 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं । इसके अतिरिक्त प्रयागराज रीजन में 25, वाराणसी रीजन में 22, आजमगढ़ रीजन में 15, अयोध्या रीजन में 17, लखनऊ रीजन में 14, कानपुर रीजन एवं आगरा रीजन में 11, झांसी रीजन में 7, मेरठ रीजन में 5, गाजियाबाद रीजन में 4 तथा बरेली रीजन में 2 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय जेल बंदियों की शिक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बार पूरे प्रदेश में 4 केंद्रीय कारागारों नैनी, प्रयागराज, गाजियाबाद, अयोध्या तथा बरेली केंद्रीय कारागार में जेल बंदियों को परीक्षा दिलाई जाएगी।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सोमवार को परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जिसके अंतर्गत इस बार परीक्षा कक्ष के अंदर केंद्र प्रभारी के अतिरिक्त अन्य सभी का मोबाइल प्रतिबंधित किया गया है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर पूरे प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षक दल का गठन किया गया है। प्रदेश में किसी भी केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो, परीक्षार्थियों की समस्या के त्वरित समाधान के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह के निर्देशन में सहायता पटल स्थापित किया गया है। जहां परीक्षार्थियों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर परीक्षा केंद्रों के समीप पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती का आग्रह किया है।

अभाविप ने किया नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर किया गया विरोध प्रदर्शन

नीट–यूजी परीक्षा की प्रकिया तथा परिणाम की हो शीघ्र सीबाआई जांच– अभाविप

प्रयागराज(आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा नीट परीक्षा परिणामों में हुई गड़बड़ी एवं प्रकरण की सीबीआई जांच करवाने हेतु इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ भवन पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस परीक्षा के आयोजन के दिन ही देश के अलग–अलग हिस्सों में गड़बड़ियां सामने आईं थी तथा अलग–अलग स्थानों पर सॉल्वर पकड़े गए, साथ ही कुछ स्थानों पर प्रश्न पत्र बांटने आदि में भी गड़बड़ी मिली। अभाविप, नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों की उचित मॉगों के साथ है। मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह है। नीट–यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग–अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आईं थीं, आज अभाविप कार्यकर्ताओं द्वारा इस विषय को लेकर आंदोलन किया गया। कई जगहों पर ऐसी गड़बड़ी होने से यह भी स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थीं। नीट के परीक्षा परिणाम में एक ही सेंटर से कई टॉपर्स होने से इस वर्ष के परीक्षा परिणाम पर कई तरह से संदेह उत्पन्न हो रहा है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी पर पहले भी यूजीसी–नेट आदि परीक्षाओं के आयोजन के संदर्भ में सवाल खड़े हुए थे।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के इकाई अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने कहा कि नीट परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों की आत्महत्या करने की मामले हुए हैं, यह अत्यंत दुखद है। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी सम्मिलित होते हैं तथा इसकी तैयारी हेतु कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसे में इस प्रकार का प्रकरण की गड़बड़ी बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं की जाएगी। इस मामले की सीबीआई द्वारा जांच कराकर दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। नीट परीक्षा के आयोजन में जो गड़बड़ियां हुई हैं, उसके लिए इस पूरे विषय से सम्बद्ध ब्यूरोक्रेसी जिम्मेदार है।
इस दौरान काशी प्रांत सह–मंत्री आंचल सिंह, इविवि इकाई उपाध्यक्ष अखिलेश कुशवाहा, कला संकाय अध्यक्ष आजाद वत्स प्रकाश सिंह, पवन, हिमांशु आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आजादी के बाद भारत ने हर क्षेत्र में तरक्की की है– अंशुमन

प्रयागराज(आरएनएस)। आजादी के बाद सबके सहयोग और समर्थन से भारत ने हर क्षेत्र में तरक्की की है और इस तरक्की इस कामयाबी में देश के हर व्यक्ति हर वर्ग का योगदान रहा है। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि इस देश के आजादी की लड़ाई से लेकर देश को समृद्ध और शक्तिशाली बनाने की लड़ाई तक में यहां की सामाजिक समरसता गंगा जमुनी तहजीब भारत का लोकतंत्र और संविधान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उक्त बातें महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहीं।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा की धर्म के नाम पर लोगों को तोड़कर उनकी भावनाओं से खेल कर मोदी सरकार 2014 में सत्ता में आई और ऐसी ऐसी घटनाएं हुई जिसने न केवल देश को शर्मशार किया बल्कि लोकतंत्र और संविधान को कमजोर भी किया गया। एक आम भारतीय को यह महसूस होने लगा था कि कहीं ना कहीं उनके संवैधानिक अधिकारों पर कुठाराघात किया जा रहा है। उनके स्वतंत्रता पर ग्रहण लग रहा है। कुल मिलाकर देश मानसिक दबाव में था। यह पहली बार हुआ की संसद में विपक्ष की आवाज दबाई गई पीड़ित महिला पहलवानों को नौजवानों को मजदूरों को किसानों को उनका हक देने के बजाय उनके ऊपर जुल्म ढाए गए जो किसी भी आजाद देश के लिए शर्मनाक बातें हैं।ऐसे में राहुल गांधी ने लोगों के दिल और दिमाग से सत्ता का भय निकलने के लिए दो बड़ी यात्राएं की लोगों को क्रूर और तानाशाह सरकार के खिलाफ खड़ा किया और नतीजा पूरे देश के सामने है। राहुल की मेहनत रंग लाई देश उनके साथ खड़ा हुआ।हम पूरी महानगर कांग्रेस कमेटी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तरफ से इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं को कृतज्ञता पूर्ण धन्यवाद ज्ञापित करना चाहते हैं। इसमें मुख्य रूप से लल्लन पटेल, अनूप सिंह, दिवाकर भारतीय, मोहम्मद इरफान, प्रवीण सिंह भोले, विनय पांडेय, अजेंद्र गौड़, आफरीन खान, मोहम्मद हसीन, रचना पांडे, नफीस कुरेशी, शकील अहमद, दरख्सा कुरैशी, अब्दुल कलाम आजाद, इरशाद उल्ला,सतीश श्रीवास्तव, सतीश केसरवानी, रमेश जायसवाल, सनी सोनकर, विशाल सोनकर, प्रवीण गुप्ता आदि लोग रहे।

मोदी सरकार थर्ड का प्रथम दिन अन्नदाता किसानों को समर्पित– भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में उत्तर प्रदेश को सम्मानजनक स्थान देकर प्रदेश को दी नई उड़ान

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की तीसरा कार्यकाल का शुभारंभ देश की किसानों एवं अन्नदाताओं के प्रति समर्पित करने को लेकर भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया है और किसान भाइयों को 17वीं किसान सम्मान निधि प्राप्त करने की बधाई दी। इस अवसर महापौर गणेश केसरवानी एवं भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा एवं जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी तीसरे कार्यकाल का शुभारंभ 17वीं किसान सम्मान निधि जारी करके देश के अन्नदाता किसानों को सम्मान देते हुए अपने कार्यकाल का प्रथम दिन उनके प्रति समर्पित किया है।उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में 10 मंत्रियों को स्थान देकर उत्तर प्रदेश का सम्मान बढ़ाने का काम किया और उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में एक नई उड़ान दी है। जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हृदय से आभार प्रकट करता हूं। आभार प्रकट करने वालों में पार्षद किरन जायसवाल, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, सचिन जायसवाल, रामलोचन साहू, सुभाष वैश्य, राजन शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, प्रशांत शुक्ला, राकेश भारती, आनंद जायसवाल, राजेश गोंड़, रॉबिन साहू, पवन मिश्रा, कुलदीप मिश्रा आदि कार्यकर्ता रहे।

ईश्वर शरण पीजी कश्वलेज में समर स्कूल-2024 का शुभारंभ

प्रयागराज(आरएनएस)। ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से रिसर्च डिजाइन और रिसर्च प्राविधि पर चलने वाले समर स्कूल–2024 की शुरुआत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. शिव हर्ष सिंह ने कहा कि शोध कार्य की सामाजिक उपादेयता अवश्य होनी चाहिए। इसके लिए शोधार्थी को शोध के क्रमबद्ध नियम और चरणों का पालन करना चाहिए। बताया कि पिछले कई वर्षों से विभिन्न विषयों पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा समर स्कूल का आयोजन किया रहा है। विभाग में शोधार्थियों द्वारा साप्ताहिक रूप से अपने शोध प्रगति से संबंधित प्रस्तुतिकरण को अनिवार्य कर दिया गया है। समर स्कूल के पहले दिन रिसर्च डिजाइन पर क्रेसवेल की किताब 'रिसर्चडिजाइनः क्वालिटेटिव, क्वांटिटेटिव एंडमिक्स्डमेथड' से उद्धृत करते हुए डॉ. शिवहर्ष सिंह ने कहा कि शोध के विषय का चयन करते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। शोध की समस्या का चयन करने में व्यक्तिगत रुचि, विषय की प्रासंगिकता, विषय पर उपलब्ध डेटा तक शोधार्थी की पहुंच, डेटा का विश्लेषण आदि बातों का ध्यान देना चाहिए। डॉ. पाल ने भारतीय राजनीतिक व्यवस्था और चुनाव प्रणाली पर आधारित शोध विषयों के उदाहरणों से शोधार्थियों का मार्ग दर्शन किया।

प्रयागराज में अशरफ के साले सद्दाम की पांच संपत्ति हुई चिह्नित

प्रयागराज (आरएनएस)। अशरफ के साले सद्दाम की पूरा मुफ्ती इलाके में चार अचल और एक चल संपत्ति पाई गई है। पुलिस के मुताबिक इस जमीन को उसमे अपनी दबंगई और अवैध रूप से कमाई गयी दौलत से बनाया है। इसकी जांच पुलिस ने शुरु कर दी है। जांच रिपोर्ट राजस्व विभाग को भेजी जाएगी। जिसके बाद राजस्व विभाग रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगा। मालूम हो कि अशरफ के साले ने अवैध तरिके से अकूत दौलत कमाई है। जिसके बाद कई सम्पत्ति बनाई है। जिस सम्पत्ति पर पुलिस ने जांच शुरु की है वह गौसपुर कटहुआ और हटवा गांव में है।

अशरफ का साला सद्दाम उमेश पाल हत्याकांड के मामले में जेल भेजा गया था। वह इन दिनों बदायूं की जेल में बंद है। इस प्रापर्टी को पुलिस गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क करेगी। इसकी रिपोर्ट बरेली पुलिस को भेजी जाएगी। सद्दाम पर उमेशपाल हत्याकांड का आरोप लगा है। वह बरेली जेल में अपने जीजा अशरफ की पूरी मदद करता था। इस हत्याकांड से पहले उसने शूटरों को भी जेल में मिलवाने का काम किया था।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।